तापमान
अधिकतम 29.0 डिग्री
न्यूनतम 15.3 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, बुधवार 8 जनवरी 2025

13 अपर कलेक्टर की कोर्ट में एक दिन में 10 जोड़ों का...

14 पीएचसी के लिए आरक्षित सरकारी जमीन पर कब्जा...

अब 15 मिनट पहले तत्काल व अन्य कोटे की होगी बुकिंग, यात्रियों को मिलेगी कनफर्म सीट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

रेलवे ने यात्रियों को नई सुविधा देने अब ट्रेन के दूसरे आरक्षण चार्ट के समय में बदलाव किया है। अब 15 मिनट पहले ट्रेन का दूसरा आरक्षण चार्ट जारी होगा। रेलवे ने दो जनवरी से यह बदलाव कर दिया है। इस संबंध में सभी जोन प्रबंधकों को निर्देश जारी कर दिए हैं। वहीं रेलवे के क्रिस साफ्टवेयर में भी बदलाव की कार्यवाही शुरू हो गई है। रेलवे ने पहले भी आरक्षण चार्ट में बदलाव किया था, जो अस्थायी तौर पर किया गया था और यह सफल नहीं हो पाया। इसके तहत ⏭ शेष पेज 13 पर

रेलवे ने दूसरे आरक्षण चार्ट का बदला समय, अब 30 की जगह 15 मिनट पहले ही बनेगा चार्ट

- रेलवे ने सभी जोन प्रबंधकों को निर्देश जारी कर दिए हैं, टिकट रद्द करने वाले यात्रियों की अब आसानी से मिलेगी सीट

30 मिनट पहले बनता था आरक्षण चार्ट

दो साल पहले तक ट्रेन का अंतिम चार्ट 30 मिनट पहले बनाया जाता था। इस दौरान अंतिम समय में बनने वाले टिकट की जानकारी टीटीई के पास मौजूद हैंड हेल्ड टर्मिनल (एचएचटी) मशीन में आ जाती थी, लेकिन जब यह समय पांच मिनट हुआ, तो अंतिम समय में बनने वाले टिकट की जानकारी टीटीई को नहीं मिल पाती थी।

चार घंटे पहले तैयार होता है प्राथमिक चार्ट

ट्रेन के चलने से चार घंटे पहले प्राथमिक चार्ट तैयार होता है। इसके आधार पर ही यात्रियों को टिकट कन्फर्म होने की जानकारी मिलती है। हालांकि जब यात्री टिकट बुक करवाते हैं, तो उस समय कन्फर्म टिकट के साथ कोच और सीट नंबर की जानकारी भी यात्रियों तक पहुंच जाती है, लेकिन जब टिकट वेटिंग श्रेणी का हो, तो यात्रियों को चार घंटे पहले बनने वाले प्रारंभिक चार्ट का इंतजार करना पड़ता है। इसके बाद अगर तत्काल या विभागीय कोटे की सीट खाली है, तो यात्री ट्रेन छूटने के 15 मिनट पहले तक टिकट बुक कर सकता है।

खबर संक्षेप

रेप के आरोपी को पुलिस ने ओडिशा से किया गिरफ्तार

रायपुर। कबीर नगर पुलिस ने रेप के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी दीपक शर्मा निवासी अविनाश आशियाना कबीर नगर पर पीड़िता ने आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह उससे प्यार और शादी का प्रलोभन देकर उसे अपने घर ले जाकर जबरदस्ती अनाचार किया। इस दौरान आरोपी ने पीड़िता का अश्लील वीडियो भी बना लिया था, जिसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करता था। साथ ही इस घटना के बारे में किसी को भी बताने पर उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी देता था। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर मामले की जांच करते हुए आरोपी को ओडिशा से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दीपक के विरुद्ध धारा 376(2)(एन), 384, 323, 506 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

साइंस कॉलेज के छात्र हॉस्टल के सामने स्टंटबाजी और नशेड़ियों से हैं हलाकान

अड्डेबाजी से हलाकान छात्रों ने बांस से बंद किए रास्ते
हॉस्टल से बाहर जाने पालक का वीडियो कॉल जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि लाइव

पं.रविशंकर शुक्ल विवि के कन्या छात्रावास से गायब छात्रा मथुरा में मिल गई है। छात्रा लगभग एक माह से लापता थी, जिसे ढूंढने के लिए रायपुर पुलिस के साथ ही उत्तरप्रदेश पुलिस की टीम भी लगी हुई थी। इस घटना के बाद रविवि ने हॉस्टल संबंधित नियमों के पालन में कड़ाई बरतनी शुरू कर दी है। इधर, साइंस कॉलेज के छात्र मंगलवार को सड़क पर उतर आए। छात्र हॉस्टल जाने वाले मार्ग में द्वार बनाने की मांग कर रहे हैं। साइंस कॉलेज के शास्त्री छात्रावास, मेजर गोरे छात्रावास तथा उमादास मुखर्जी छात्रावास जाने वाले मार्ग में गेट की व्यवस्था नहीं है। इस रोड पर देर रात तक असमाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। चाकूबाजी, बाइक में स्टंट करते हुए वीडियो बनाना यहां आम है। इसके अलावा सामने खाली मैदान होने के कारण यह नशेड़ियों का भी अड्डा बन गया है।

देर रात तक रहने वाले असुरक्षित माहौल और शोर-शराबे को देखते हुए छात्र यहां गेट लगाने की मांग कई बार कर चुके हैं। ⏭ शेष पेज 13 पर

- रविवि के गर्ल्स हॉस्टल से गायब छात्रा मथुरा में मिली एक माह से थी लापता
- घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रबंधन ने बदली व्यवस्था, पहले की तुलना में अधिक कड़ाई

आवाज बदलकर करते हैं बात, इसलिए वीडियो कॉल

यदि छात्र घर जाने की बात कहकर हॉस्टल से बाहर जाते हैं तो पालकों से छात्रावास अधीक्षक की बात करवानी अनिवार्य होती है। साइंस कॉलेज में पहले केवल फोन करने पर ही विद्यार्थियों को जाने की अनुमति प्रदान कर दी जाती थी, लेकिन अब इस नियम को बदल दिया गया है। कई बार छात्र अपने दोस्तों अथवा अन्य परिचितों से फोन पर आवाज बदलकर बात करवा देते हैं। कई तरह के ऐप आने के कारण आवाज पहचान पाना संभव भी नहीं होता है। ऐसे में अब वीडियो कॉल अनिवार्य कर दिया गया है। अर्थात यदि विद्यार्थी कहीं बाहर जाना चाहता है तो उसे पहले वीडियो कॉल के जरिए छात्रावास अधीक्षक और पालक की बात करवानी होगी। वीडियो कॉल पर अनुमति मिलने के बाद ही छात्रों को हॉस्टल छोड़ने की अनुमति होगी।

डिग्री गर्ल्स पहले से ही चाक-चौबंद

उपरोक्त शैक्षणिक संस्थानों के अलावा राजधानी के सबसे बड़े कन्या महाविद्यालय डिग्री गर्ल्स कॉलेज में पहले से ही चाक-चौबंद व्यवस्था है। हादसे बाद यहां अतिरिक्त सावधानी रखने कहा गया है। संस्कृत महाविद्यालय के छात्रावास व अन्य शासकीय महाविद्यालयों के हॉस्टल की व्यवस्था का भी रिव्यू लिया गया है।

छात्रावास और विद्यार्थियों की संख्या

बालक छात्रावास : रविवि में पिछले शैक्षणिक सत्र तक चार ब्वॉयज हॉस्टल थे। इनमें गांधी, आजाद, पावरग्रिड और रिसर्च हॉस्टल शामिल हैं। वर्तमान सत्र से रविव में बीए-बीएड और बीएससी-बीएड पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई है। इनमें प्रवेश लेने वाले 35 लड़कों के लिए विद्यार्थी छात्रावास निर्मित किया गया है। शिक्षकों के लिए बनाए गए हॉस्टल का विशेष उपयोग नहीं होने के कारण इसमें ही विद्यार्थी छात्रावास प्रारंभ किया गया है। इस तरह से रविवि में वर्तमान में पांच बालक छात्रावास हैं। सभी हॉस्टल मिलाकर लड़कों की संख्या 331 है।

बालिका छात्रावास : रविवि में चार कन्या छात्रावास हैं। इनमें पावरग्रिड हॉस्टल, पीजी कन्या छात्रावास, शोधार्थी छात्रावास और सीबीएस हॉस्टल शामिल है। लड़कियों की संख्या 350 है।

साइंस कॉलेज : 3 बालक और 2 बालिका छात्रावास

साइंस कॉलेज का छात्रावास विश्वविद्यालय के छात्रावास से कुछ ही दूरी पर है। समीप के हॉस्टल में ही हुई घटना को देखते हुए साइंस कॉलेज प्रबंधन ने भी अपने यहां सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। साइंस कॉलेज में 3 बालक छात्रावास और 2 बालिका छात्रावास हैं। बालक छात्रावास में 160 और बालिका छात्रावास में 80 विद्यार्थी रहते हैं। यहां बालिका और बालक छात्रावास के मुख्य द्वार तय समय के बाद बंद कर दिए जा रहे हैं। यहां सीसीटीवी कैमरे और सिक्योरिटी गार्ड बढ़ाने की तैयारी है।

पारागांव में हो रहा था रेत का अवैध खनन
दो चेनमाउंटेन मशीन और दो ट्रक जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खबर का असर

खनिज विभाग की लगातार कार्रवाई और प्रयास के बाद भी रायपुर जिले में रेत का अवैध कारोबार थम नहीं पा रहा है। हरिभूमि ने खबर प्रकाशित की थी कि अभनपुर सहित जिले में कई रेत खदानों में अवैध रूप से रेत का उत्खनन किया जा रहा है। इस खबर के बाद प्रशासन ने इसे संज्ञान में लिया और अवैध खनन पर लगाम कसने के लिए छापामार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिला विभाग के उप संचालक केके गोलघाटे के नेतृत्व में टीम ने सोमवार रात को अभनपुर क्षेत्र अंतर्गत रेत खदानों में छापा मारा। इस दौरान ग्राम पारागांव स्थित खदान की दूसरी तरफ गरियाबंद सीमा क्षेत्र में कुछ लोगों को चेन माउंटेन मशीन से नदी से रेत का उत्खनन करते देखा गया। टीम ने इसके बाद वहां पहुंचकर दो चेन ⏭ शेष पेज 13 पर

- नवा रायपुर के चीचा में भी चल रहा था मुरुम का अवैध कारोबार

जिले में करीब दो वर्ष पहले 13 खदानों के ऑफलाइन टेंडर निकालकर दिए गए थे ठेके पर

पांच रेत खदानों को पर्यावरण से एनओसी नहीं, फिर भी रात में चल रहा उत्खनन

चीचा गांव में भी चल रहा था मुरुम का अवैध खनन

टीम ने इस नया रायपुर की मुरुम खदानों का भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राम चीचा में भी अवैध रूप से मुरुम का उत्खनन करते पाया गया। कुछ लोग चेन माउंटेन मशीन से यहां मुरुम का ⏭ शेष पेज 13 पर

नियम विरुद्ध खनन

अभनपुर क्षेत्र में लखना रेत खदान को पर्यावरण विभाग से उत्खनन के लिए अनुमति मिली हुई है, लेकिन यहां रेत की मात्रा कम है। इस कारण यहां भी नियम विरुद्ध तरीके से पनडुब्बी के माध्यम से रेत का उत्खनन किया जा रहा था। टीम ने यहां भी एक हाईवा गाड़ी को पकड़ा, जिसमें पनडुब्बी के माध्यम से नदी से रेत निकालकर भरा गया था।

खदानों की लगातार करेंगे जांच

अभी तक दिन में ही रेत खदानों की जांच की जा रही थी, अब रात में भी खदानों की निरंतर जांच की जाएगी। इसी कड़ी में जांच करते हुए टीम ने अभनपुर और नया रायपुर में कार्रवाई की है।

- केके गोलघाटे
उप संचालक, खनिज विभाग रायपुर

ओपन बोर्ड की उपसचिव बहाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन बोर्ड में इन दिनों तनातनी की स्थिति बनी हुई है। सचिव पुष्पा साहू ने उपसचिव नवनीता सिंह को उन्हें पदभार मुक्त कर दिया था। दिसंबर में जारी किए गए इस आदेश के विरोध में नवनीता सिंह ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में उन्हें पद से हटाए जाने का गलत ठहराते हुए बहाल कर दिया।

प्रभावित हो रहे काम

राज्य ओपन बोर्ड का काम इस तनातनी के कारण पिछले कुछ दिनों से प्रभावित है। उनके अधीनस्थ काम करने वाले अधिकारी भी इस स्थिति से परेशान हो चुके हैं। राज्य स्कूल ओपन बोर्ड द्वारा अब वर्ष में दो बार परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। इसके चलते परीक्षा और मूल्यांकन सहित अन्य कार्यों में भी वृद्धि हुई है। इस परिवर्तन के बीच अधिकारियों के आपसी मतभेद से कर्मचारी परेशान हैं। कार्यों में विलंब होने के साथ ही रोजमर्रा के कामकाज भी इन हालात में प्रभावित हो रहे हैं।

एस.आर. पैरामेडिकल कॉलेज
छ.ग. शासन के पैरामेडिकल काउंसिल से मान्यता प्राप्त
प्रवेश प्रारंभ
सीमित सीटे
उपलब्ध पैरामेडिकल टेक्निशियन कोर्स
- ऑपरेशन थियेटर टेक्निशियन
- पैथोलॉजी लैब टेक्निशियन
- एक्स-रे टेक्निशियन
सरकारी नौकरी हेतु मान्यता प्राप्त कोर्स
काउंसलर का मोबाईल नं.-7880102604
चिखली, पोस्ट-जेवरा सिरसा, धमधा रोड, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

नई उड़ान शुरू करने की तैयारी

हवाई मार्ग से जुड़ने वाला दूसरा बड़ा शहर होगा हैदराबाद, 10 से दो नई फ्लाइट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हवाई मार्ग के जरिए रायपुर से जुड़ने वाला दूसरा बड़ा शहर हैदराबाद होगा। वर्तमान में इसके लिए नियमित रूप से दो फ्लाइट का संचालन किया जाता है और दस जनवरी से दो नई फ्लाइट आवाजाही शुरू करेगी। वर्तमान में रायपुर के लिए सर्वाधिक 6 उड़ान दिल्ली के लिए संचालित होती है।

- अभी रायपुर से सर्वाधिक 6 उड़ान दिल्ली की हैदराबाद की होगी चार

रायपुर से नियमित रूप से दिल्ली जाने वाली इंडिगो और एयर इंडिया की कुल 6 फ्लाइट में पर्याप्त संख्या में यात्री रहते हैं। इसी तरह हैदराबाद जाने वाली दो फ्लाइट भी फुल रहती है। यात्रियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए एयरलाइंस कंपनी इंडिगो 10 जनवरी से दो नई उड़ान शुरू करने की तैयारी कर चुकी है। ट्रैवल्स कारोबार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि किसी शहर के लिए एक ही दिन में दो नई फ्लाइट शुरू करने का यह मामला काफी समय बाद हो रहा है।

कोहरे का असर जारी

ठंड के मौसम में छाने वाले कोहरे का असर विमानों की आवाजाही पर हो रहा है। विभिन्न शहरों से रायपुर आने वाली फ्लाइट के अपने निर्धारित समय के बजाए विलंब से आने का दौर जारी है। मंगलवार को अहमदाबाद से आने वाली फ्लाइट 1.53 घंटे लेट आई। वहीं मुंबई, दिल्ली, पुणे की उड़ान भी देर से संचालित हुई।

समाज को आगे बढ़ाने का संकल्प,
स्व. श्री संतोष अग्रवाल जी के विचारों के साथ...

स्व. श्री संतोष अग्रवाल जी
(25 जनवरी 1947-20 अप्रैल 2020)

avinash FOUNDATION

Santosh Agrawal Growth Academy

KOPAL VANI CHILD WELFARE EDUCATION

लोकार्पण समारोह
संतोष अग्रवाल ग्रोथ अकादमी

आवासीय विद्यालय कर्ण बधिर दिव्यांग बच्चों के लिए

आपकी गरिमामयी उपस्थिति सादर आमंत्रित है।

मुख्य अतिथि :
मान. श्री विष्णुदेव साय जी
मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

अध्यक्षता :
मान. श्री डॉ. रमन सिंह जी
अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा

दिनांक : बुधवार, 08 जनवरी 2025, दोपहर 03:30 बजे से
स्थान : अविनाश गार्डन सिटी, सेमरिया, डीपीएस स्कूल के पास, रायपुर

विशिष्ट अतिथि

श्री चरण दास महंत जी — नेता प्रतिपक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा
श्री भूपेश बघेल जी — पूर्व मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री विजय शर्मा जी — उपमुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री बृजमोहन अग्रवाल जी — सांसद, रायपुर लोकसभा
श्री रामविचार नेताम जी — आदिम जाति विकास मंत्री, छत्तीसगढ़
श्री केदार कश्यप जी — वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री, छत्तीसगढ़
श्री ओ.पी. चौधरी — वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री अमर अग्रवाल जी — वरिष्ठ विधायक
श्री अजय चंद्राकर जी — वरिष्ठ विधायक
श्री राजेश मूणत जी — वरिष्ठ विधायक
श्री सुनील सोनी जी — विधायक
श्री पुरंदर मिश्रा जी — विधायक
श्री मोतीलाल साहू जी — विधायक
श्री अनुज शर्मा जी — विधायक
श्री गुरु खुशवंत साहेब — विधायक
श्री दीपक बैज जी — अध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस कमेटी, छत्तीसगढ़

विनीत - नरेश, अरुण, आनंद, मुकेश, अविनाश, प्रियंक, यश, आदित्य एवं समस्त सिंघानिया परिवार

मोबाइल : 9329100376, 8889792233

पत्रकार की हत्या के आरोपी पर चौतरफा सख्ती, अब ठेकेदारी का पंजीयन निलंबित, सभी ठेके निरस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की नृशंस हत्या के आरोपी सुरेश चंद्राकर के खिलाफ सरकारी शिकंजा कसने के साथ ही अब चौतरफा सख्ती की जा रही है। सड़क निर्माण संबंधी ठेकेदारी करने वाले इस आरोपी का ठेकेदारी के लिए किया गया पंजीयन निलंबित कर दिया गया है। इससे एक दिन पहले ही आरोपी की फर्म पर जीएसटी का छापा पड़ा था, उसमें भी अनियमितताएं सामने आई हैं। बताया गया है कि इस आरोपी ठेकेदार के सभी ठेके निरस्त कर दिए गए हैं।

व्यावसायिक स्थल पर आवश्यक रिकॉर्ड और चालान पाए गए हैं अधूरे

खास बातें

- एक दिन पहले ही आरोपी की फर्म पर जीएसटी का छापा पड़ा था
- फर्म ने विगत वित्तीय वर्षों में 2 करोड़ से अधिक की अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा किया

जीएसटी का छापा भी

बीजापुर में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के आरोपी सुरेश चंद्राकर की फर्म पर अब जीएसटी का शिकंजा कसा है। बीजापुर जिले में स्थित सड़क निर्माण करने वाली फर्म मेसर्स सुरेश चंद्राकर के परिसरों पर निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि फर्म ने विगत वित्तीय वर्षों में 2 करोड़ से अधिक की अपात्र इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा किया है। वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा इस मामले में विस्तृत जांच की जा रही है। राज्य वाणिज्यिक कर विभाग की जांच में पाया गया है कि फर्म द्वारा विगत वर्षों में पात्रता से अधिक आईटीसी दावों की पहचान की गई है। वाहनों और कपड़ों जैसे अपात्र वस्तुओं पर आईटीसी का दावा किया गया जो जीएसटी प्रावधानों के खिलाफ है। व्यावसायिक स्थल पर आवश्यक रिकॉर्ड और चालान अधूरे पाए गए हैं। सीमेंट और सरिया के क्रय दिखाकर बड़ी राशि का इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा किया गया है, उस अनुपात में बिटूमीन क्रय नहीं दिखाया है।

पंजीयन निलंबित करने का आदेश : हत्या के आरोपी सुरेश चंद्राकर के पास अ वर्ग ठेकेदार का पंजीयन था। इस संबंध में मुख्य अभियंता कार्यालय से जारी आदेश में कहा गया है कि यह ठेकेदार सुरेश चंद्राकर का नाम बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड के मुख्य आरोपी के रूप में समाचार पत्रों में प्रकाशित किए जाने के बाद गिरफ्तार किए जाने के कारण उसका अ वर्ग ठेकेदार का पंजीयन निरस्त करने की अनुशंसा की गई है। यह अनुशंसा मुख्य अभियंता बस्तर परिक्षेत्र जगदलपुर ने की है। इस अनुशंसा को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग ने उसका पंजीयन निलंबित किया है।

खबर संक्षेप

चैंबर के मुख्य चुनाव अधिकारी शिवराज से की मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में मंगलवार को चैंबर प्रतिनिधिमंडल ने चैंबर के मुख्य चुनाव अधिकारी शिवराज भंसाली से मुलाकात की तथा रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स द्वारा चैंबर के पक्ष में सुनवाई करते हुए चैंबर संविधान संशोधन को पारित कर आदेश जारी किया है, जिसकी छायाप्रति चैंबर के मुख्य चुनाव अधिकारी श्री भंसाली एवं चुनाव अधिकारी प्रकाशचंद्र गोलछा के समक्ष प्रस्तुत कर अवलोकन के बाद चुनाव की आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निवेदन किया। मुलाकात करने वालों में चैंबर के पदाधिकारी अजय भसीन, उत्तमचंद गोलछा, राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल, शंकर बजाज एवं कैट के कार्यकारी अध्यक्ष वासु माखीजा आदि उपस्थित थे।

निधन

डॉ. आशाराम गुप्ता

रायपुर। आम्रपाली जैन सोसाइटी निवासी

डॉ. आशाराम गुप्ता (77) का 7 जनवरी को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 8 जनवरी को मारवाड़ी श्मशानघाट में दोपहर 12 बजे किया जाएगा। वे आशुतोष और अभिषेक गुप्ता के पिता थे।

महिंदर कौर अरोरा

रायपुर। अमलीडीह निवासी सरदारनी

महिंदर कौर अरोरा का 6 जनवरी को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार राजेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे राजिंदर सिंह अरोरा की माता थीं।

लक्ष्मीदेवी मिश्रा

रायपुर। राधास्वामी नगर निवासी

लक्ष्मीदेवी मिश्रा का 7 जनवरी को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 8 जनवरी को सुबह 10.30 बजे उनके निवास स्थान से महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे आनंद मोहन मिश्रा एवं प्रेम मोहन मिश्रा की माता थीं।

साव ने कहा- निकाय और पंचायतों के चुनाव एक साथ कराना संभव नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

निकाय चुनाव के लिए आरक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उपमुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने

कहा कि निकाय और पंचायतों के चुनाव एक साथ कराना संभव नहीं है। दोनों ही चुनाव के लिए आचार संहिता एक साथ लगेगी, लेकिन मतदान अलग-अलग चुनाव कार्यक्रम के तहत चरणबद्ध होंगे। उन्होंने कहा, अगले दो दिनों में निकाय और पंचायत आरक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग को सरकार चुनाव कराने की सिफारिश करेगी।

- दोनों ही चुनाव के लिए आचार संहिता एक साथ लगेगी

श्री साव ने कहा, चुनाव की घोषणा एक साथ होगी और हमारी मंशा चुनाव एक साथ कराने की है। अलग-अलग चुनाव करने में 80 दिन लगता है। एक साथ होगा, तो 35 दिनों में हो जाएगा। नगरीय निकाय चुनाव की आरक्षण प्रक्रिया को लेकर कहा, नागरिक निकायों के चुनाव का बिगुल बज चुका है। चुनाव की दृष्टि से आरक्षण प्रक्रिया सरकार की तरफ़ से अंतिम काम था, जो हमने कर दिया है। अब राज्य निर्वाचन चुनाव की तिथि का ऐलान करेंगे। वहीं 9 तारीख़ को होने वाले भारतीय जनता पार्टी की बैठक को लेकर उन्होंने कहा, बैठक में आने वाले चुनाव को लेकर चर्चा होगी।

दोनों चुनाव एक साथ कराने की कवायद : उल्लेखनीय है कि एक साथ चुनाव कराने को लेकर भाजपा ने कवायद की थी। सरकार की ओर से एक समिति भी इसके लिए बनाई गई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी। सरकार ने इस रिपोर्ट के आधार पर एक साथ चुनाव कराने की तैयारी की थी, लेकिन जैसे ही एक साथ चुनाव कराने का मामला आया, तो कांग्रेस ने इसका विरोध किया था। इसे नजरअंदाज करते हुए सरकार ने एक साथ चुनाव कराने की तैयारी जारी रखी।

अपर कलेक्टर की कोर्ट में एक दिन में 10 जोड़ों का विवाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

विशेष विवाह अधिनियम के तहत मंगलवार को कलेक्टोरेट कोर्ट में 10 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इन जोड़ों के विवाह के कारण कलेक्टोरेट में दिनभर शादी समारोह का माहौल रहा। सभी जोड़े अपने कोई रिश्तेदार एवं परिचित लोगों के साथ पहुंचे थे। विवाह होने के बाद जोड़ों के रिश्तेदारों एवं परिचित लोगों ने एक-दूसरे के साथ कोर्ट के कर्मचारियों को भी मिठाई खिलाकर इस विवाह की खुशियां मनाई। अपर कलेक्टर निधि साहू ने कहा कि कोर्ट मैरिज आवेदन देकर आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जोड़े के आवेदन में अविवाहित, तलाकशुदा, विधुर-विधवा तथा उनके बीच कोई रक्त संबंध नहीं है। इसका स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। इसके लिए जोड़े को शपथ पत्र भी देना होगा।

- दिनभर रहा शादी का माहौल

अपर कलेक्टर ने बताया कि विवाह के लिए जोड़े को आवेदन पत्र 7 प्रति में पेश करना होता है। शपथ पत्र वर-वधु दोनों का जिसमें अविवाहित-तलाकशुदा-विधुर, विधवा का एवं उनके बीच कोई रक्त संबंध नहीं है, का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। तलाकशुदा होने की स्थिति में संबंधित न्यायालय का आदेश-डिग्री एवं विधुर-विधवा होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र होना चाहिए। जन्मतिथि के लिए अंकसूची जिसमें जन्मतिथि अंकित हो अथवा जन्म प्रमाण पत्र दोनों की प्रति, वर-वधु की फोटो के साथ वर-वधु का आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र, बिजली बिल, राशन कार्ड की फोटोकॉपी भी देना होगा।

विवाह के एक महीने पहले दावा-आपत्ति की सूचना

विवाह कराने की तारीख के एक महीने पहले कोर्ट द्वारा कार्यालय के नोटिस बोर्ड में दावा-आपत्ति के लिए सूचना का प्रकाशन किया जाता है। इसके तहत 30 दिन के भीतर कोई भी विवाह पर आपत्ति दर्ज करा सकता है। आपत्ति आने पर उसका निराकरण करने के बाद ही विवाह कराया जाता है। विवाह के 13 दिन के बाद जोड़े को धारा 13 के अंतर्गत विवाह प्रमाण पत्र जारी किया जाता है।

146 रुपए में विवाह

कोर्ट में विवाह करने में जोड़े को मात्र 146 रुपए ही खर्च करना होता है। इसके लिए जोड़े को 8 रुपए का चालान, 108 रुपए विवाह शुल्क के रूप में भारतीय स्टेट बैंक मेन ब्रांच रायपुर में जमा करना होता है, वहीं 30 रुपए का डाक टिकट लगे दो लिफाफे देने होते हैं। इन लिफाफों के माध्यम से जोड़े को विवाह का सर्टिफिकेट डाक के माध्यम से उनके घर के पते पर भेजा जाता है।

जोड़े में कोई एक जिले का निवासी होना अनिवार्य

विवाह करने वाले जोड़े में वर या वधु में किसी एक को जिले का निवासी होना अनिवार्य है। अगर वर और वधु दोनों दूसरे जिले के निवासी हैं, तो उनका आवेदन रिजेक्ट हो जाएगा।

विशेषज्ञों की टीम करेगी एचएमपीवी के लक्षण और प्रभावों का अध्ययन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने एचएमपीवी के लक्षण और होने वाले प्रभावों का अध्ययन विशेषज्ञों से कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसे लेकर घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि स्वास्थ्य विभाग हर आपदा से निपटने के लिए तैयार है। इस वायरस को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने विभागीय अधिकारियों की बैठक ली।

- स्वास्थ्य मंत्री ने ली विभागीय बैठक

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हमारी पूरी कोशिश है कि इस वायरस को रोकें और साथ ही इससे लड़ने के लिए आम जनता को भी जागरूक करें। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह वायरस पहले भी रिपोर्ट किया जा चुका है और इससे घबराने की कोई बात नहीं है, लेकिन सावधानी बरतनी जरूरी है। उन्होंने आम जनता से स्वच्छता पर जोर देने की बात कही है।

देश के कुछ राज्यों में इसके मरीज मिलने की सूचना मिलते ही राज्य के स्वास्थ्य विभाग का अमला अपनी तैयारी में जुट गया है। विशेषज्ञों के अनुसार यह एक सामान्य रेस्पिरेटरी वायरस है जो आम तौर पर सर्दी के दिनों में दिखाई पड़ता है। इससे बचाव के लिए भीड़ वाले इलाकों में थोड़ी सावधानी रखने की आवश्यकता है। साथ ही को-मार्बिडिटी वाले मरीजों को ज्यादा सजग रहने की जरूरत है।

अब 15 मिनट पहले...

पांच मिनट पहले आरक्षण चार्ट बनाना शुरू किया था, लेकिन पांच मिनट पहले बनने वाले चार्ट में अंतिम समय में टिकट बुक कराने वाले यात्रियों की जानकारी नजर नहीं आती थी। इससे यात्रियों को असुविधा हो रही थी। इस परेशानी को देखते हुए रेलवे ने यह निर्णय लिया था। इस संबंध में बाकायदा रेलवे बोर्ड के निदेशक पैसेंजर मार्केटिंग संजय मनोचा ने सभी जोन प्रबंधकों को 20 दिसंबर को पत्र जारी करके रिपोर्ट जमा करवाने के निर्देश दिए थे।

अड्डेबाजी से हलाकान...

शिकायतों पर कार्रवाई नहीं करने और परीक्षाएं नजदीक होने के कारण छात्रों ने विरोध करते हुए खुद ही बांस और रस्सी लेकर रास्ता रोक दिया। इसके बाद छात्रों संग प्रबंधन की बैठक बुलाई गई। इसमें सीएसपी और एसडीएम भी शामिल हुए। छात्रों को गेट लगाए जाने और उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया गया। ***रविवि ने सुधारे सीसीटीवी :*** घटना के तीसरे दिन ही रविवि ने सीसीटीवी सुधार लिए थे। अन्य छात्रावास के सीसीटीवी कैमरे भी जांचे गए। जहां भी खराबी दिखी, उसमें सुधार किया गया। इसके अलावा हॉस्टल वार्डन से कहा गया है कि वे नियमित रूप से रजिस्टर मेंटेन करे। रात्रि में हॉस्टल की नियमित रूप से

पेज 11 के शेष ...

राउंड प्रभारी द्वारा लिए जाएंगे। हालांकि इनमें से कई नियम पहले से ही हैं, लेकिन हादसे के बाद से इनके पालन में कड़ाई बरतने कहा गया है। घटना के बाद रविवि प्रबंधन ने सभी छात्रावास प्रमुखों की बैठक ली थी। इसमें कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान ही नियमों के अनुपालन के संबंध में निर्देश दिए गए। ना केवल रविवि छात्रावास बल्कि हादसे के बाद साइंस कॉलेज के हॉस्टल, डिग्री गर्ल्स कॉलेज के हॉस्टल सहित शहर के अन्य छात्रावास में भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। ***नहीं हुआ था रात्रि में निरीक्षण :*** जानकारी के अनुसार, गर्ल्स हॉस्टल से जिस दिन छात्रा मथुरा जाने के लिए निकली थी, उस दिन रात्रि में हॉस्टल में निरीक्षण नहीं हुआ था। यदि रात्रि में हॉस्टल वॉर्डन द्वारा राउंडिंग की जाती तो घटना की जानकारी तत्काल मिल सकती थी। पालकों के हॉस्टल पहुंचने के बाद ही मामला सामने आया था। इसे देखते हुए रात्रि में निरीक्षण करने सख्त आदेश दिए गए हैं।

पारागांव में चल रहा...

माउंटेन मशीन एवं रेत से भरी दो हाईवा को जब्त किया। हालांकि टीम को खदान में आते देखकर उत्खनन में लगे लोग अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। इस कारण मौके पर किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। विभागीय टीम ने अभनपुर और नया रायपुर में छापामार कार्रवाई की। उप संचालक के नेतृत्व में निकली टीम में इंस्पेक्टर, खनिज प्रभारी निरीक्षक, आरक्षकों सहित पुलिस विभाग की टीम भी थी। टीम पारागांव के पास नदी किनारे अवैध रूप से बनाई गई रेत खदान पहुंची। इस खदान में जाने के लिए रेत माफिया ने सूचक बोर्ड भी लगा रखा है। टीम ने रात में सबसे पहले यहीं दबिश दी, लेकिन शायद इसकी सूचना माफिया के लोगों को पहले ही लग चुकी थी। इस कारण उस समय रायपुर सीमा क्षेत्र की नदी में उत्खनन का काम नहीं हो रहा था, लेकिन नदी के दूसरी तरफ गरियाबंद सीमा क्षेत्र में चेन माउंटेन मशीनों से उत्खनन का काम चल रहा था। टीम ने इसके बाद गरियाबंद सीमा क्षेत्र में प्रवेश करते हुए मौके से 2 चेन माउंटेन मशीन एवं रेत से भरी दो हाईवा गाड़ी को पकड़ा। हालांकि टीम में शामिल गाड़ियों को आते देख मौके पर मौजूद लोग अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

चीचा गांव में भी...

उत्खनन कर रहे थे। टीम ने यहां भी एक चेन माउंटेन मशीन एवं एक गाड़ी को जब्ती बनाया है। हालांकि इस कार्रवाई के दौरान भी यहां मौजूद लोग टीम को देखकर फरार हो गए। इस कारण यहां भी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार क्रेता कौशल कुमार टंडन पिता पुनेश्वर प्रसाद टंडन निवासी- पुराना काशी रामनगर तेलीबांधा रायपुर (छ.ग.) के द्वारा विक्रेतागण- श्रीमती निधि अग्रवाल पति नीरज अग्रवाल एवं श्रीमती मानसी अग्रवाल पति नितिन अग्रवाल दोनो निवासी- वार्ड नं. 15, छपरिया कालोनी नगर पालिका परिषद अभनपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.) के संयुक्त हक, आधिपत्य एवं स्वामित्व की कृषि भूमि जो कि वाके मौजा नायाकबांधा, प.ह.नं.- 00026, रा.नि.मं.- अभनपुर तहसील अभनपुर, जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित है, जिसका खसरा नंबर- 1764/7, रकबा 0.0600 हेक्टेयर है, को क्रय करने का पक्का सौदा तय किया जा चुका है, जिसकी मात्र विक्रयपत्र का पंजीयन एवं निष्पादन किया जाना शेष है।

अतः उपरोक्त वर्णित भूमि के विक्रय अंतरण व संव्यवहार के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, बीमा कंपनी, साहूकार, वित्तीय संस्थान, शासकीय, अर्द्धशासकीय कार्यालय या निजी संस्था व निकाय को कोई उजर दावा व आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर मेरे उक्त पते पर अपनी आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत कर देवें। बाद मियाद पेश की गयी कोई आपत्ति या उजर दावा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी तथा मेरा पक्षकार, विक्रेता को विक्रय प्रतिफल की राशि अदा कर अपने पक्ष में विक्रयपत्र का पंजीयन एवं निष्पादन करा लेवेगा। सो सूचना जाने।

रायपुर (छ.ग.) दिनांक- 07/01/2025

भवदीय
अश्वनी कुमार राव, अधिवक्ता .
पता- प्रथमतल, कमरा नं.-110, टेबल नं. -14, सिविल कोर्ट रायपुर (छ.ग.) मो.नं.- 74892-34931

:: आम सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार क्रेता श्री नवीन कुमार अग्रवाल पिता स्व. श्री अमृतलाल अग्रवाल निवासी- किशोर जैन गली, वार्ड नं. 10, डोंगरगढ़, जिला राजनांदगॉव (छ.ग.) वाले ने विक्रेता अब्दुल मुस्तफा पिता अब्दुल रहमान निवासी झाबक बिल्डर के सामने, कमासीपारा रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.). वाले की स्वामित्व एवं आधिपत्य की परिवर्तित आवासीय भूमि जिसका खसरा न. 1253/14 का भाग रकबा 1167 वर्गफुट भूमि है। जो वाके मौजा ग्राम शंकर नगर (खम्हारडीह) प.ह.नं. 63, रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग को क्रय करने का सौदा कर अग्रिम राशि अदा कर दिया गया है अब केवल विक्रय विलेख (रजिस्ट्री) पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उपरोक्त सौदे एवं संव्यवहार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था बैंक, निगम शासकीय एवं अर्द्धशासकीय निकाय, बोर्ड प्राधिकरण, निगम आदि को किसी भी प्रकार की उजर, दावा, आपत्ति हो अथवा उक्त संपत्ति या उसके किसी भी भाग पर किसी प्रकार का स्वत्व, हक, अधिकार या भार हो तो वे इस आम सूचना प्रकाशन के दिनांक से 10 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति लिखित सुसंगत दस्तावेजो के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत करे एवं आम सूचना का खंडन किसी भी दैनिक समाचार पत्र मे स्वीकार नही किया जायेगा। सो सूचना जाने।

दिनांक 07/01/2025
स्थान- रायपुर

भवदीय
रितेश सिंह ठाकुर
अधिवक्ता
पता- सिविल कोर्ट रायपुर छ.ग.
मो. नं. 9907311788

:: आम सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार क्रेता श्री इंद्रदेव मोहती पिता श्री विश्वनाथ मोहती निवासी- जिला सिद्धा पूरवा महदिनी, वाले ने विक्रेता अब्दुल मुस्तफा पिता अब्दुल रहमान निवासी झाबक बिल्डर के सामने, कमासीपारा रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) वाले की स्वामित्व एवं आधिपत्य की परिवर्तित आवासीय भूमि जिसका खसरा न. 1253/14 का भाग रकबा 1200 वर्गफुट भूमि है। जो वाके मौजा ग्राम शंकर नगर (खम्हारडीह) प.ह.नं. 63, रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग को क्रय करने का सौदा कर अग्रिम राशि अदा कर दिया गया है अब केवल विक्रय विलेख (रजिस्ट्री) पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उपरोक्त सौदे एवं संव्यवहार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था बैंक, निगम शासकीय एवं अर्द्धशासकीय निकाय, बोर्ड प्राधिकरण, निगम आदि को किसी भी प्रकार की उजर, दावा, आपत्ति हो अथवा उक्त संपत्ति या उसके किसी भी भाग पर किसी प्रकार का स्वत्व, हक, अधिकार या भार हो तो वे इस आम सूचना प्रकाशन के दिनांक से 10 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति लिखित सुसंगत दस्तावेजो के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत करे एवं आम सूचना का खंडन किसी भी दैनिक समाचार पत्र मे स्वीकार नही किया जायेगा। सो सूचना जाने।

दिनांक 07/01/2025
स्थान- रायपुर

भवदीय
रितेश सिंह ठाकुर
अधिवक्ता
पता- सिविल कोर्ट रायपुर छ.ग.
मो. नं. 9907311788

-: आम सूचना :-

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री अनुराग यादव आयु 46 वर्ष, पिता श्री शिव मूर्ति यादव, पताः रामा मेगनेटो माल, विनोबा नगर, बिलासपुर, बिलासपुर, छ.ग., ने विक्रेता श्रीमती अंजली शर्मा, आयु 37 वर्ष, पति श्री संजय शर्मा, पता दंतेश्वरी मंदिर के पास, प्रोफेसर कॉलोनी, कुशालपुर, रायपुर, छ.ग. के स्वामित्व व आधिपत्य की मकान वाके मौजा ग्रामः रायपुर खास, कुशालपुर, खसरा नं. 1603/84 रकबाः 0.0060 हेक्ट. (675 वर्ग फुट), वामन राव लाखे वार्ड नं. 64, कंडिका नं. प.ह.नं. 62, रा.नि.म. रायपुर- 1, तहसील व जिला रायपुर, छ.ग. में स्थित है को खरीदने का पक्का सौदा कर लिया है, तथा जिसका पंजीयन किया जाना शेष है।

उपरोक्त वर्णित संव्यवहार के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, सोसायटी, बैंक, शासकीय-अर्धशासकीय निकाय, महाजन अथवा किसी अन्य को किसी भी प्रकार से कोई आपत्ति या उजर, दावा हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर हमारे कार्यालय में मय दस्तावेज प्रत्यक्ष रूप से अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर, पावती लेवें। समयावधि पश्चात की गई किसी भी प्रकार की आपत्ति या उजर हमारे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी तथा इसके समक्ष शून्य व अवैध समझी जावेगी तथा हमारे पक्षकार के पक्ष में बैनामा पंजीयन का निष्पादन करा लिया जावेगा। सो सूचना जानें।

स्थान : रायपुर, छ.ग.
दिनांक : 07-01-2025

शरद कदम,
अधिवक्ता
9926145185, 9302679878
रायपुर (छ.ग.)

Health Town

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
न्यूरो-पंचकर्मा चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561
• स्लीप डिस्क, आर्थराइटिस • Back Pain, सायटिका • जोड़ो में दर्द, मांसपेशियों में दर्द
• जकड़न (Stiffness) व नशों का दबना • टेंडन एवं लिगामेंट इंजरी • सर दर्द, पॅरालिसीस • स्पांडिलाइटिस • गठिया रोग
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित
अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

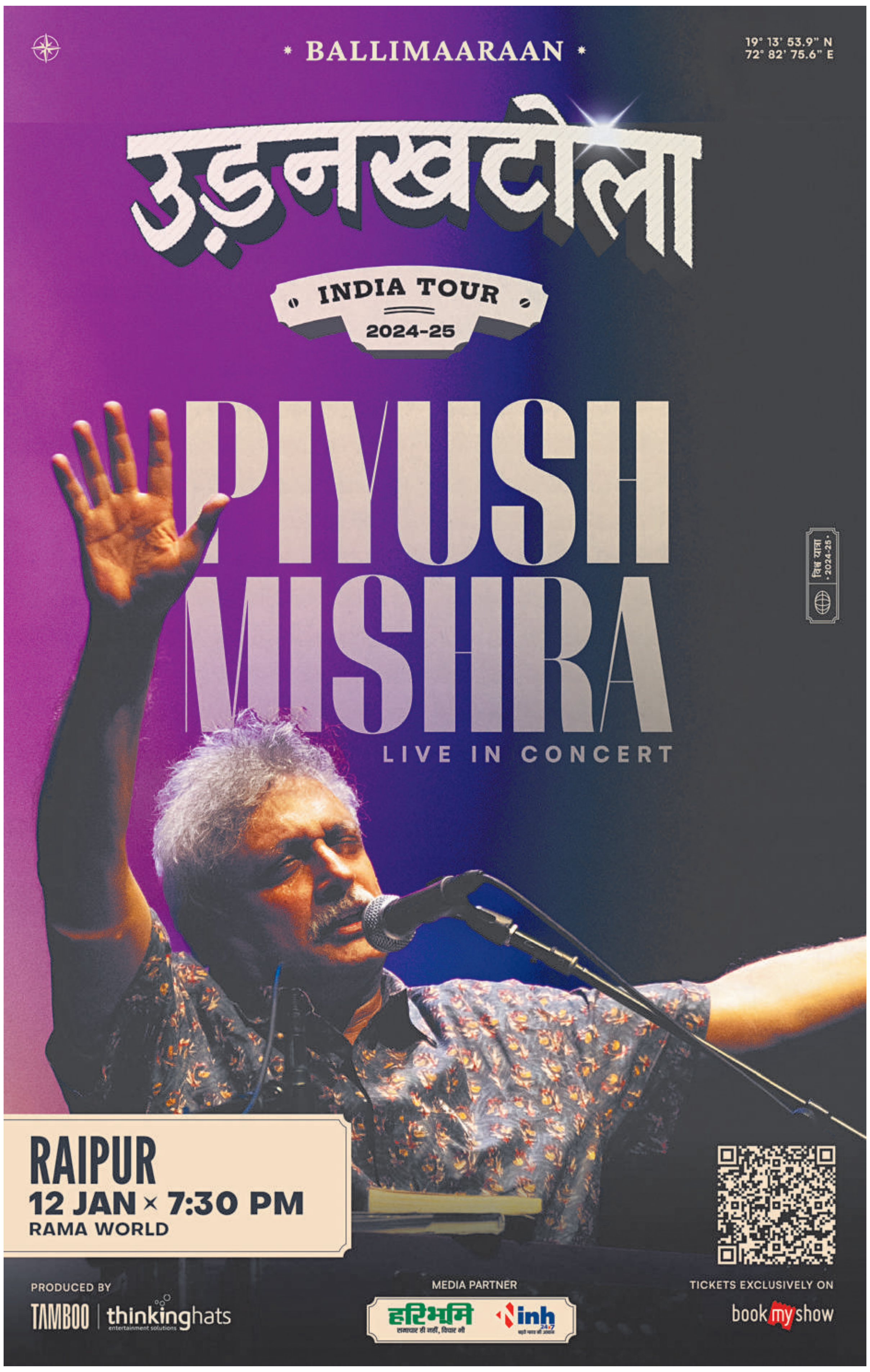

खबर संक्षेप

कमेटी में शामिल नहीं किए गए शिक्षक, दो की हालत गंभीर

रायपुर। सेवा सुरक्षा और समायोजन की मांग कर रहे बीएड डिग्रीधारी सहायक शिक्षकों में से दो सहायक शिक्षिकाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है। अपनी मांगों को लेकर शिक्षक आमरण अनशन पर हैं। मंगलवार को अनशन का चौथा दिन रहा। शासन द्वारा धरना स्थल पर किसी तरह की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। ऐसे में आंदोलनकारियों ने हालात बिगड़ने पर स्वयं ही एम्बूलेंस को फोन करके शिक्षिकाओं को भर्ती कराया। शिक्षकों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। शिक्षक विगत 14 दिसंबर से नया रायपुर के धरना स्थन पर अपनी मांगों को लेकर डेरा जमाए हुए हैं। उनका कहना है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलता है, वे अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

शिवसेना के सभी राज्य प्रमुखों को मुंबई किया आमंत्रित

रायपुर। शिवसेना राष्ट्रीय प्रमुख, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ महाराष्ट्र सरकार में शिवसेना के मंत्रियों, सांसदों के साथ छत्तीसगढ़ शिवसेना प्रमुख धनंजय सिंह परिहार, कार्यकारी अध्यक्ष मधुकर पांडेय एवं विभिन्न राज्यों के प्रदेश प्रमुख पदाधिकारियों की मीटिंग मुंबई में होगी। बैठक में शिवसेना के देशभर में विस्तार और संगठन को मजबूत करने श्री शिंदे ने सभी राज्य प्रमुखों को मुंबई आमंत्रित किया है।

एनआईटी 28 फरवरी को बांटेगा पदक, पहली बार 4 माह के अंतराल में ही दीक्षांत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एनआईटी रायपुर का 15वां दीक्षांत समारोह 28 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। एनआईटी के इतिहास में यह पहली बार है जब केवल चार माह के अंतराल में ही दोबारा दीक्षांत समारोह आयोजित किया जा रहा है। इसके पूर्व 25 अक्टूबर को एनआईटी ने अपना 14वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया था। पं.दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में हुए इस दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विद्यार्थियों को पदक बांटे थे। प्रबंधन के मुताबिक, 15वें दीक्षांत में पदक कौन बांटेगा इसका निर्धारण अब तक नहीं हो सका है। अतिथियों का निर्धारण होने के साथ ही एनआईटी द्वारा इसकी घोषणा कर दी जाएगी। जारी की गई पदक सूची के अनुसार, इस बार ओवर ऑल टॉपर कंप्यूटर साइंस ब्रांच से है। 9.75 सीपीआई हासिल कर श्रीयांश गौर ओवरऑल टॉपर बने हैं। गौरतलब है कि एनआईटी का स्थापना दिवस एक दिसंबर है। लंबे समय तक स्थापना दिवस के दिन ही दीक्षांत आयोजित किए जाने की परंपरा एनआईटी में रही। लेकिन अब इसे समाप्त कर दिया गया है। स्थापना दिवस के दिन ही दीक्षांत होने पर एक वर्ष के अंतराल में आयोजन होते थे।

- दो वर्ष पहले समाप्त हुई थी स्थापना दिवस के दिन दीक्षांत की परंपरा

25 अक्टूबर को 14वें दीक्षांत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बांटे थे पदक

1279 को पदक, इनमें 1052 स्नातक छात्र

एनआईटी ने अपने आधिकारिक वेबसाइट पर मेरिट लिस्ट जारी करने के साथ ही उन विद्यार्थियों की सूची भी प्रदान कर दी है, जिन्हें समारोह में उपाधि प्रदान की जाएगी। जारी की गई सूची के अनुसार, 2024 में बीटेक और एमटेक की परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले 1279 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जाएगी। इनमें से 1052 बीटेक के छात्र हैं, जबकि 227 विद्यार्थी एमटेक के हैं। एनआईटी ने इन सभी छात्रों की सूची वेबसाइट पर अपलोड करते हुए किसी तरह की त्रुटि होने पर परीक्षा नियंत्रक से संपर्क करने कहा है।

उत्तीर्ण थे छात्र, लेकिन मेरिट लिस्ट नहीं

अक्टूबर 2024 में हुए दीक्षांत समारोह में उन विद्यार्थियों को पदक और उपाधियां वितरित की गई थीं, जिन्होंने 2023 में अपनी पढ़ाई पूर्ण की थी। जून-जुलाई 2024 में समाप्त हुए बैच के परिणाम भी जारी हो चुके थे, लेकिन मेरिट लिस्ट, दावा आपत्ति सहित अन्य तरह कह तैयारियां नहीं होने के कारण 2024 के छात्रों को राष्ट्रपति के हाथों पदक नहीं दिए जा सके। दीक्षांत संबंधित तैयारियां पूर्ण होने के बाद अब अगले माह पदक वितरित किए जाएंगे। छात्रों से दीक्षांत के लिए 17 नवंबर 2024 तक आवेदन मांगे गए थे।

रायपुर नगर निगम का महापौर पद

कांग्रेसी दावेदार अब पत्नियों के नाम आगे कर रहे भाजपा-कांग्रेस में महिलाएं भी थोक में दावेदार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर के नगर निगम का महापौर पद आरक्षण में सामान्य महिला के लिए आरक्षित होने के बाद जहां कांग्रेस के पुरुष दावेदारों के मंसूबों पर पानी फिर गया है, वहीं कांग्रेस के ये दावेदार अब अपनी पत्नियों का नाम आगे कर रहे हैं। दूसरी तरफ भाजपा के दावेदारों ने साफ शब्दों में अपनी पत्नियों के नाम आगे करने से इनकार कर दिया है। इधर भाजपा और कांग्रेस में थोक में महिला दावेदार हैं। जहां भाजपा से नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे का नाम पहली दावेदार के रूप में लिया जा रहा है, वहीं कांग्रेस से पूर्व महापौर किरणमयी नायक की दावेदारी सबसे प्रबल है।

नगरीय निकाय चुनाव में महापौर के लिए निकली लाटरी में रायपुर से महापौर का पद सामान्य महिला के लिए आरक्षित घोषित किया गया है। इसके बाद से ही महापौर का चुनाव लड़ने वाले पुरुष दावेदार निराश हो गए हैं। दूसरी तरफ महिलाओं में इस बात को लेकर खुशी है कि उनको अब मौका मिलेगा।

पत्नियों का नाम किया आगे

कांग्रेस से महापौर के लिए थोक में पुरुष दावेदारों के नाम चल रहे थे, लेकिन अब इनको तगड़ा झटका लगा है। बावजूद इसके ये हार मानने वाले नहीं हैं। सभी दावेदार एक स्वर में अपनी पत्नियों के नाम आगे करने की बात कर रहे हैं। महापौर एजाज ढेबर का कहना है, वे महापौर हैं, तो वे स्वाभाविक रूप से अपनी पत्नी अर्जुमन ढेबर के नाम की दावेदारी करेंगे। इसी तरह से प्रमोद दुबे अपनी पत्नी दीप्ति प्रमोद दुबे, कुलदीप जुनेजा अपनी पत्नी परमजीत कुलदीप जुनेजा, सतनाम पनाग अपनी पत्नी अमनदीप कौर पनाग, कन्हैया अग्रवाल अपनी पत्नी डॉ. मीनाक्षी कन्हैया अग्रवाल, कुणाल शुक्ला अपनी पत्नी प्रीति उपाध्याय के नाम से दावेदारी करने की बात कर रहे हैं। इधर विकास उपाध्याय ने साफ तौर पर अपनी पत्नी के नाम से दावेदारी करने से इनकार कर दिया है।

कांग्रेस से किरणमयी का नाम प्रमुख

कांग्रेस से इस समय पहला प्रमुख नाम पूर्व महापौर किरणमयी नायक का सामने आ रहा है। वह पहले भी सामान्य सीट से चुनाव लड़कर जीती हैं। उन्होंने हरिभूमि से कहा, पार्टी चाहेगी तो वह जरूर चुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस पार्टी के पास भी महिला दावेदारों के नाम पहुंचे हैं। जिनका दावा पार्टी के पास पहुंचा है, उसमें नगर निगम अपीली समिति की सदस्य कविता ग्वालानी, संगीता दुबे, उषा रज्जन श्रीवास्तव, ममता राय, प्रगति वाजपेयी, राधिका नागभूषण, वंदना राजपूत का नाम शामिल है।

भाजपा में योग्य महिला उम्मीदवारों की कमी नहीं : सुभाष तिवारी

महापौर पद के दावेदार नगर निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष सुभाष तिवारी का साफ कहना है, पत्नियों का नाम आगे करने की भाजपा में कभी परंपरा नहीं रही है। हमारी पार्टी का कोई भी महापौर का दावेदार अपनी पत्नी का नाम आगे नहीं करेगा। हमारी पार्टी में महापौर का चुनाव लड़ने के लिए योग्य महिला उम्मीदवारों की कमी नहीं है। पार्टी किसी भी योग्य महिला को चुनाव मैदान पर उतारेगी।

भाजपा में मीनल सहित कई दावेदार

भाजपा में महापौर की टिकट के लिए नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे का नाम सबसे प्रबल है। उनका नाम पहले रायपुर दक्षिण से विधानसभा चुनाव में दो बार चल चुका है। पहले मुख्य विधानसभा चुनाव और इसके बाद दक्षिण के उपचुनाव में भी उनकी दावेदारी थी। इसी के साथ भाजपा में अन्य दावेदारों में सरिता दुबे, विश्वदिनी पांडेय, सीमा साहू, समाज कल्याण बोर्ड में रही पूर्व पार्षद हेमलता चंद्राकर, महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष शताब्दी पांडेय का नाम प्रमुख है। आने वाले समय में दावेदारों के नामों में और इजाफा होगा।

पीएचसी के लिए आरक्षित सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाई बाउंड्रीवाल तोड़ी गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। शहर से ग्राम दतरेंगा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए आरक्षित की गई करीब 50 डिसमिल सरकारी जमीन पर एक व्यक्ति ने कब्जा कर वहां बाउंड्रीवॉल का निर्माण करा लिया था। तहसील कार्यालय से नोटिस जारी होने के बाद भी इस बाउंड्रीवॉल को हटाया नहीं जा रहा था। तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने मंगलवार को यहां पहुंचकर बाउंड्रीवॉल को तोड़कर सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया।

कलेक्टर के निर्देश के बाद जिले में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। कलेक्टर ने समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में शासकीय जमीनों पर अवैध कब्जों को तेजी से हटाने के लिए राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। इस निर्देश के बाद राजस्व अधिकारी ने भी अब शासकीय जमीनों को कब्जा मुक्त कराने का अभियान शुरू कर दिया है। इसके तहत ग्राम दंतरेंगा में तहसीलदार पवन कोसमा के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने शासकीय जमीन को कब्जा मुक्त कराया। यह जमीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए आरक्षित थी, जिस पर पंजवानी सरनेम वाले व्यक्ति ने कब्जा कर यहां बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया था। तहसीलदार ने बाउंड्रीवाल को तोड़ने सहित कब्जा मुक्त करने के लिए संबंधित व्यक्ति को कई बार नोटिस भी जारी किया था। इसके बाद भी उसके द्वारा सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त नहीं किया जा रहा था। इस प्रकरण में अब राजस्व विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए जेसीबी की मदद से बाउंड्रीवाल को तोड़कर इसे कब्जा मुक्त कराया।

तालाब किनारे की जमीन को कब्जा मुक्त किया

एक अन्य मामले में ग्राम डोमा में कुछ लोगों ने गांव के तालाब से लगी जमीन को कब्जा कर लिया था। इस जमीन पर लोगों ने सीमेंट के पोल गाड़कर उसे फेंसिंग तार से घेर रखा था। इसकी जानकारी पटवारी से मिलने पर राजस्व विभाग की टीम यहां पहुंची और जेसीबी की मदद से पोल और फेंसिंग तार को उखाड़कर जमीन को कब्जा मुक्त किया। तहसीलदार ने बताया कि तालाब की जमीन पर संतोष चक्रधारी ओर जेठू नामक व्यक्ति ने कब्जा किया था।

बिजनेस साइट

श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल में आंखों के ट्यूमर का सफल ऑपरेशन

रायपुर। श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल में एक महिला मरीज की आंखों के ट्यूमर का सफल ऑपरेशन किया गया, जिससे उन्हें नई रोशनी मिली। बिलासपुर निवासी 34 वर्षीय आशा चौबे, अपनी बायीं आंख के पीछे 3 सेंटीमीटर बड़े ट्यूमर के कारण दृष्टिहीनता का सामना कर रही थीं। आशा ने श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल में अपनी जांच कराई तो पता चला कि बायीं आंख के पीछे का ट्यूमर बढ़कर इतना बड़ा हो चुका है कि वह आंख की नस को दबा रहा था, जिससे उनकी दृष्टि प्रभावित हो रही थी।

श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. चारुदत्त कलमकार और डॉ. रोहित राव की टीम ने इस जटिल सर्जरी को अंजाम दिया। ऑपरेशन में दो घंटे का समय लगा और टीम ने सावधानीपूर्वक ट्यूमर को आंख की नस से अलग किया। ऑपरेशन की सफलता के बाद आशा चौबे अब पूरी तरह से स्वस्थ हैं और अपनी दृष्टि पुनः प्राप्त कर चुकी हैं।

फन वर्ल्ड डिज्नीलैंड मेले में उमड़ी भीड़ दुबई कार्निवल की थीम ने लुभाया

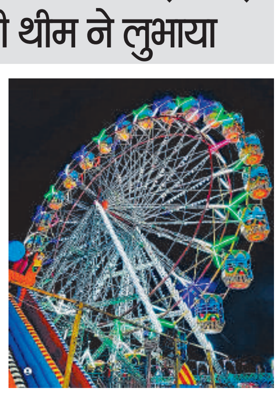

रायपुर। आकाशवाणी के पास काली मंदिर के सामने स्थित गॉस मेमोरियल ग्राउंड में इस बार 'फन वर्ल्ड डिज्नीलैंड मेला' ने राजधानीवासियों को एक नया और शानदार अनुभव दिया है। दुबई कार्निवल की थीम पर आधारित इस मेले में दुनियाभर के प्रसिद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के अद्भुत मॉडल आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इन मॉडल्स में दुबई का बुर्ज खलीफा, पेरिस का एफिल टॉवर, कुआलालम्पुर का पेट्रोनोस टॉवर जैसी शानदार प्रतिकृतियां प्रमुख हैं। इस मेले में बच्चों और युवाओं के लिए ब्रेक डांस, कोलंबस, जाइंट व्हील, सिलंबो झूला, डेशिंग कार, ड्रैगन झूला, मिनी ट्रेन और मिकी माउस जैसे झूलों की भरमार है। इसके अलावा मेले में खरीदारी और स्वाद का भी संगम है। देशभर के बुनकरों और कारीगरों के हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, होम डेकोर, फर्नीचर और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स के स्टॉल लगाए गए हैं।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

'यंग इंडिया के बोल' का पोस्टर लॉन्च, यह लगातार पांचवां वर्ष

यूथ कांग्रेस बनवाएगी इंस्टाग्राम व फेसबुक रील्स, इसके जरिए चुने जाएंगे प्रवक्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

यूथ कांग्रेस अब इंस्टाग्राम और फेसबुक रील्स के माध्यम से अपने प्रवक्ताओं का चुनाव करेगी। इसके लिए यंग इंडिया के बोल नामक कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसका पोस्टर लॉन्च मंगलवार को गांधी मैदान स्थित कांग्रेस भवन में किया गया। स्पर्धा का यह लगातार पांचवां वर्ष है। इसके तहत युवा कांग्रेस जिला प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के प्रवक्ताओं को चुनती है। इस प्रतियोगिता में 18 वर्ष से 35 वर्ष के सभी युवा भाग ले सकते हैं। उन्हें देश एवं प्रदेश में चल रहे किसी भी एक विषय पर अपना एक वीडियो या रील बनाने होते हैं। इसके बाद जिला स्तर पर एवं प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर प्रवक्ताओं को चयनित किया जाता है।

यूथ कांग्रेस के अनुसार, यह केवल एक प्रतिभा खोज कार्यक्रम नहीं है। यह युवा आवाजों को सशक्त बनाने और हमारे देश में बदलाव लाने वाले भविष्य के नेताओं को सामने लाने के लिए एक आंदोलन है। यह कार्यक्रम पूरे देश भर के युवाओं के लिए है। जो तथ्यों के साथ अपनी बात रख सके, उन्हें युवा कांग्रेस जिला प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रवक्ता के रूप में युवा कांग्रेस में शामिल करेगी।

वेबसाइट और ऐप के जरिए पंजीयन

प्रदेशाध्यक्ष आकाश शर्मा ने बताया, इसके लिए आवेदन अभी खुले हैं। इच्छुक प्रतिभागी **YIKB** वेबसाइट या **WITH IYC** ऐप पर अपना वीडियो भेजकर पंजीकरण कर सकते हैं। प्रतियोगिता तीन स्तरों पंजीकरण, राज्य स्तर, और राष्ट्रीय स्तर और तीन श्रेणियों - भाषण, वाद-विवाद, और रील निर्माण में आयोजित की जाएगी। पंजीकरण स्तर से चयनित प्रतिभागी राज्य स्तर की प्रतियोगिता में आगे बढ़ेंगे और राज्य स्तर के विजेता अंतिम राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

दिए जाएंगे नकद पुरस्कार

राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विजेताओं को भारतीय युवा कांग्रेस के राज्य और राष्ट्रीय प्रवक्ता बनने का अवसर मिलेगा और उन्हें वरिष्ठ कांग्रेस प्रवक्ताओं से मार्गदर्शन मिलेगा। प्रत्येक श्रेणी में विजेताओं, उपविजेताओं, और सर्वश्रेष्ठ महिला प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे।

निगम के अधिकारी-कर्मचारी भी हफ्ते में दो दिन सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक कार्यालय में बैठेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कलेक्टोरेट के विभिन्न विभागों की तरह अब नगर निगम मुख्यालय से लेकर सभी जोन कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रत्येक सप्ताह में दो दिन सोमवार और गुरुवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक कार्यालय में बैठना अनिवार्य होगा। कलेक्टर के निर्देश के अनुसार इन दोनों दिन अधिकारी-कर्मचारी आम लोगों की समस्याएं सुनकर जल्द से जल्द निराकरण करने का प्रयास करेंगे।

निगम में प्रशासक का चार्ज संभालने के दूसरे दिन कलेक्टर डा. गौरव सिंह ने निगम मुख्यालय में अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त के अलावा सभी जोनों के कमिश्नर भी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने बैठक में निगम के कार्यो की समीक्षा करने के साथ निगम मुख्यालय सहित सभी जोन कमिश्नरों को निर्देश दिए है कि प्रत्येक सप्ताह में सोमवार और गुरुवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक कार्यालय में बैठे और लोगों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण करें। उन्होंने कहा कि शासन की लोक कल्याणकारी सामाजिक सुरक्षा पेंशन और निराश्रित पेंशन के तहत कोई भी आवेदन लंबित ना रहे एवं उसकी स्वीकृति में अनावश्यक विलंब न हो इसका पूरा ध्यान रखें।

कलेक्टर के निर्देश ; 10 बजे पहुंचने लगे अधिकारी-कर्मचारी

कलेक्टर के निर्देश का असर कलेक्टोरेट के कई विभागों के कार्यालयों में मंगलवार को देखा गया। खाद्य विभाग, समग्र शिक्षा विभाग, आदिवासी विकास विभाग, भू-अभिलेख, ट्रेजरी, योजना एवं सांख्यिकी विभाग, राजस्व सहित कई विभागीय कार्यालयों में सुबह 10 बजे से ही अधिकारी-कर्मचारी पहुंच गए थे, जिसके कारण सुबह 10.30 बजे से ही कई विभागों के कार्यालयों में आम लोगों की भीड़ भी देखने को मिली।

जारी रहेगा रात के तापमान में दो डिग्री का उतार-चढ़ाव

रायपुर। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से रात के तापमान में उतार-चढ़ाव की स्थिति जारी रहने की संभावना है। अभी तापमान में गिरावट का दौर चल रहा है, इसके बाद पारा पुनः ऊपर की ओर खिसकेगा। अभी उत्तरी हिस्से का तापमान सामान्य स्थिति में आ चुका है और मध्य का पारा दो डिग्री तक ऊपर चढ़ चुका है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम में अभी बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। पश्चिमी विक्षोभ के आने और जाने के बाद रात के तापमान में दो से तीन डिग्री का ही फेरबदल होगा। सुबह तक ठंड महसूस हो रही है, इसके बाद कड़ी धूप अपना असर दिखा रही है। ठंड का ज्यादा प्रभाव अभी सरगुजा संभाग में ही महसूस हो रहा है। अभी तापमान में गिरावट का दौर चल रहा है, इसके बाद पुनः पश्चिमी विक्षोभ आने से न्यूनतम तापमान में वृद्धि संभावित है। मंगलवार को रायपुर में तेज धूप रही और तापमान 30 डिग्री तक पहुंचा। धूप में गर्मी महसूस हुई, मगर छांव वाले क्षेत्र में ठंडकता का असर रहा।

पीएम रिपोर्ट में खुलासे के बाद हत्यारा गिरफ्तार, शराबी नाती ने किया था सिर पर वार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र अंतर्गत शहीद नगर में एक बुजुर्ग महिला की सिर पर चोट लगने से मौत का मामला हत्या का निकला। महिला पर उसी के नाती ने नशे की हालत में वार किया था, जिससे उसकी मौत हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किसी चीज से सिर पर वार करने से मौत होना पाया गया। इस खुलासे के बाद पुलिस ने जब जांच की, तो पता चला कि घटना के बाद से मृतका का नाती भी गायब है। पुलिस ने संदेह के आधार पर नाती की खोजबीन कराई, पर उसका कहीं पता नहीं चला। इसके बाद उसे तलाश किया जा रहा था। आखिरकार मंगलवार को उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना गुनाह कबूल लिया है।

खमतराई थाना प्रभारी ने बताया कि 3 नवंबर को पुलिस को अस्पताल से सूचना मिली थी कि शहीद नगर निवासी 75 वर्षीय भुरी बाई यादव के सिर पर चोट लगने से उपचार के दौरान मौत हो गई। इस घटना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने तक जांच में लिया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई, तो पता चला कि मृतका की मौत गिरने से आई चोट के कारण नहीं, बल्कि उसके सिर पर किसी चीज से वार करने से हुई है। डाक्टरी रिपोर्ट के बाद पुलिस ने मामले में हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर नये सिरे से इसकी जांच शुरू की।

मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर आरोपी को किया गिरफ्तार

इस दौरान पुलिस को पता चला कि जिस दिन मृतका के सिर पर चोट आई है, उसी दिन से उसका नाती प्रेम यादव 35 वर्ष भी गायब है। पुलिस पूछताछ में यह भी पता चला कि प्रेम आदतन शराबी है तथा अक्सर घर पर शराब पीकर लड़ाई-झगड़ा किया करता था। पुलिस ने प्रेम के परिजनों से पूछताछ की, तो पता चला कि उन्हें भी पता नहीं है कि प्रेम कहां है। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी। इस बीच पुलिस को मुखबिर से प्रेम के उसके घर में आने की सूचना मिली, जिसके बाद उसे घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश जेल भेज दिया है।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, बुधवार 8 जनवरी 2025
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

साड़ी पर उकेरा छत्तीसगढ़ का राजगीत...

एजूकेशन अपडेट

रेलवे बोर्ड में मिनिस्टीरियल व आइसोलेटेड श्रेणी के 1036 पदों पर भर्ती की शुरुआत

रायपुर। रेलवे भर्ती बोर्ड ने मिनिस्टीरियल और आइसोलेटेड श्रेणी के 1036 पदों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है। उम्मीदवार इन पदों के लिए केंद्रीयकृत रोजगार सूचना के तहत rrbapply.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती अभियान का माध्यम से 1036 पदों को भरा जाएगा। इस भर्ती प्रक्रिया में जूनियर स्टेनोग्रॉफर, जूनियर ट्रांसलेटर, स्टाफ और वेलफेयर इंस्पेक्टर, चीफ लॉ असिस्टेंट, कुक, पीजीटी, टीजीटी, फिजिकल ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर (पुरुष और महिला), असिस्टेंट मिस्ट्रेस (जूनियर स्कूल), म्यूजिक मिस्ट्रेस, डांस मिस्ट्रेस, प्रयोगशाला सहायक (स्कूल), हेड कुक और फिंगरप्रिंट परीक्षक जैसे पदों की पेशकश की गई है।

उम्मीदवारों की आयु 18 वर्ष होनी चाहिए

उम्मीदवारों की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। अधिकतम आयुसीमा विशिष्ट पद के आधार पर भिन्न होती है, जिसमें ऊपरी सीमा 48 वर्ष है। पद की आवश्यकताओं के आधार पर आवेदकों को अपनी 12वीं कक्षा, स्नातक या स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करनी चाहिए। अपने अंतिम परीक्षा परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे उम्मीदवार तब तक आवेदन करने के पात्र नहीं हैं, जब तक कि आवेदन की समयसीमा से पहले परिणाम घोषित न हो जाएं।

गलत उत्तर के लिए नकारात्मक अंकन लागू

इन पदों के लिए दिव्यांग, महिला, ट्रांसजेंडर और भूतपूर्व सैनिक उम्मीदवारों तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अल्पसंख्यक समुदाय/आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (ईबीसी) के उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 250 रुपये है। जो उम्मीदवार पहले कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी 1) में शामिल होंगे, उन्हें बैंक शुल्क घटाकर यह शुल्क वापस कर दिया जाएगा। अन्य सभी उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपए है, जिसमें सीबीटी 1 के बाद बैंक शुल्क घटाकर 400 रुपए वापस कर दिए जाएंगे। आरआरबी मिनिस्टीरियल और आइसोलेटेड केटेगरी परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रश्न होते हैं। कुल 100 अंकों के लिए प्रश्नों की कुल संख्या 100 है। उम्मीदवार द्वारा चिन्हित प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1/3 का नकारात्मक अंकन लागू है।

ठंड में बदला होटलों का मेन्यू, शरीर गर्म रखने घर, रेस्टोरेंट-होटल के खानपान में बदलाव

होटलों में देशी अंदाज में पक रहा सरसों का साग मक्का-बाजरे की रोटी भी, कोल्ड्रिंक की जगह सूप

ठंड बढ़ने के साथ ही घर और रेस्टोरेंट-होटल के मेन्यू भी बदलने लगे हैं। होटल और रेस्टोरेंट के किचन से मौसमी सब्जियों की महक आने लगी है। घरों की रसोई का भी यही हाल है। जो लोग घर-परिवार से दूर हैं या देसी खाने का स्वाद लेना चाहते हैं, उनके लिए होटल के नए मेन्यू कार्ड में कई तरह के देसी और पारंपरिक खाने शामिल किए गए हैं।

सरसों के साग की स्पेशल थाली

शहर के ज्यादातर होटलों में सर्दियों में मोटे अनाज की रोटियां मेन्यू में शामिल की गई हैं। ज्वार, बाजरे और मक्के की रोटी खाने को मिल रही है। मक्के की रोटी ते सरसों का साग, मुगलई कबाब के साथ मक्के की रोटी और सरसों के साग की थाली का जलवा सदाबहार है। ढाबे में भी कनॉट प्लेस की तर्ज पर काके दा ढाबा, गरम धरम, दाना चोगा, पिंड बलूची ले सकते हैं। यहां सरसों का साग और मक्के की रोटी के साथ थाली में गुड़ भी परोसा जा रहा है। सरसों का साग पारंपरिक तरीके से ही पकाया जा रहा है। सर्दियों में तो यह स्पेशल मेन्यू होता है। इसके साथ पालक चिकन भी बेहद पसंद किया जाता है।

रायपुर। सर्दी शुरू होते ही मेथी, मूली, गोभी के पराठे के साथ दही का कांबिनेशन है। वहीं कोल्ड्रिंक का स्थान गर्मागर्म सूप ने ले लिया है। शरीर को गर्म करने के लिए चाइनीज सूप को प्राथमिकता दी जा रही है। हरिभूमि ने शहर के विभिन्न होटलों के शेफ से बातचीत की। उनका कहना है कि जाड़े के मौसम में लोगों की डाइट बढ़ जाती है। लोग गरम खाना पसंद करते हैं, इसलिए इस मौसम के व्यंजनों की बात ही कुछ और है। होटलों में लोगों की पसंद के अनुसार मक्के और बाजरे की रोटी, सरसों का साग, शलजम और मूली की भुजिया, मेथी-आलू की सब्जी और स्वीट डिश में गाजर का हलवा परोसा जा रहा है।

ठंड में देसी खाने का ले रहे स्वाद

इस समय लोग हरी सब्जियों की डिमांड करते हैं और कुछ ऐसा खाना चाहते हैं, जिसमें गांव के देसी खाने की महक हो, जैसे घर में दादी-नानी पकाती थीं। इसलिए मौसम बदलते ही मेन्यू में हरी सब्जियों वाली डिश बढ़ा दी गई है। होटल संचालक का कहना है कि लोगों की पसंद के अनुसार नाश्ते, लंच और डिनर के मेन्यू रखे जा रहे हैं। इन दिनों स्वीट डिश में गाजर के हलवे की डिमांड काफी होती है।

काढ़ा और सूप को प्राथमिकता

सायाजी होटल से हरेंद्र ने बताया कि मेन्यू के अलावा लोगों की डिमांड पर भी डिश तैयार की जाती है। इन दिनों स्पेशल चाय, काढ़ा, सूप, हॉट स्नेक्स की डिमांड की जा रही, जिसे लोग अपने अनुसार तैयार कराते हैं। उनका कहना है कि मसाला काढ़ा ठंड में स्पेशल है। कुछ मसाले दूसरे राज्यों से भी मंगाए हैं। ये ठंड में ही लोगों को मिलता है।

कोल्ड्रिंक की मांग घटी आइसक्रीम बरकरार

भले ही ठंड में कोल्ड्रिंक का मार्केट ठंडा पड़ने लगा है, लेकिन आइसक्रीम की डिमांड में कोई कमी नहीं आई है। मायरा रिसोर्ट के संचालक चंद्रबीर चौधरी ने बताया कि मौसम के साथ ड्रिंक, सलाद और सूप के मैन्यू में भी बदलाव किया गया है। इसमें हॉट चॉकलेट ड्रिंक, रोस्टेड पंपकिन सूप और भुना चुकंदर, पनीर, अखरोट, बालसैमिक सिरका सलाद को शामिल किया गया है। देसी और विदेशी डिश शरीर को गर्म रखने में मदद करती है। बीमारियों से भी बचाए रखती है।

ट्रांसजेंडर एक ही माता-पिता की संतान, समाज की स्वीकार्यता से दूर होगा अलगाव का भाव

रायपुर। महंत लक्ष्मीनारायण दास महाविद्यालय रायपुर में इंटरक्वालिटी इंश्योरेंस सेल और इनफ्लुएंस इनोवेशन काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में तृतीय लिंग के अधिकारों की जागरूकता विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर काउंसिल की सदस्य विद्या राजपूत, रवीना व देवनाथ शामिल हुए। राष्ट्रीय ट्रांसजेंडर काउंसिल की सदस्य विद्या राजपूत ने कहा कि ट्रांसजेंडर एक ही माता-पिता की संतान से जन्म लेते हैं तो उनके साथ भेदभाव क्यों किया जाता है। उनका कहना है कि ट्रांसजेंडर आज सभ्य समाज में एक अलग पहचान बनाकर आगे आ रहे हैं, इसलिए जन्म देने वाले माता-पिता और समाज को स्वीकार्यता के साथ समझना होगा, तभी यह अलगाव का भाव दूर हो पाएगा। काउंसिल की सदस्य रवीना ने कहना है कि आधुनिक दौर में विद्यार्थियों के बीच ट्रांसजेंडर को लेकर दृष्टिकोण में काफी बदलाव आया है, लेकिन यह बदलाव समाज के अंदर भी जरूरी है। उन्होंने प्राचीनकाल में ट्रांसजेंडर के अलग-अलग नामों की चर्चा करते हुए उनके महत्व को प्रतिपादित किया।

रामचरित मानस के मार्मिक प्रसंगों में भी जिक्र

कार्यक्रम के जरिए महाभारत में शिखंडी और अर्जुन की भूमिकाओं को दर्शाते हुए तृतीय लिंग की वैधानिकता को प्रतिपादित किया। उनके द्वारा गोस्वामी तुलसीदास की चौपाई के माध्यम से रामायण और श्रीरामचरित मानस के मार्मिक प्रसंगों को देखकर यह समझने की कोशिश की कि किस तरह से एक ट्रांसजेंडर समाज के अंदर बदलाव की स्थिति में खड़ा है। उनके द्वारा जैन धर्म गुप्तकालीन सभ्यता कामसूत्र संस्कृति आदि विषयों पर भी विश्लेषण रखते हुए यह बताया कि मंदिरों में भी तृतीय लिंग की उपस्थिति को स्वीकार किया गया है।

ट्रांसजेंडर की पौराणिक कथाओं में भी चर्चा

कार्यक्रम में देवनाथ ने ट्रांसजेंडर महिला व पुरुष के बारे में बताया कि प्रशासनिक स्तर पर किस तरह से वर्गों को देखा जा रहा है। बायोलॉजिकल तौर पर महिला एवं पुरुष किन्नर क्या व्यवस्थाएं हैं। आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. देवाशीष मुखर्जी ने स्वागत उत्पादन दिया और बताया कि ट्रांसजेंडर की पौराणिक कथाओं में चर्चा रही है। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की शिक्षिका प्रो. अर्चना ने किया।

बीएचयू के पूर्व प्रोफेसर देंगे व्याख्यान

नागरिक अधिकारों पर संविधान संवाद 13 को

रायपुर। पार्क फाउंडेशन छत्तीसगढ़ की ओर से भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर संविधान संवाद श्रृंखला के अंतर्गत संविधान संवाद-2 का आयोजन किया जा रहा है। इस बार यह आयोजन छत्तीसगढ़ के 3 स्थानों पर किया जा रहा है, जिसमें रविवार 12 जनवरी बिलासपुर और दूसरा आयोजन सोमवार 13 जनवरी रायपुर में व तीसरा आयोजन मंगलवार 14 जनवरी को ग्राम अंडा जिला दुर्ग में आयोजित किया जाएगा। संविधान संवाद- 2 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर मो. आरिफ को आमंत्रित किया गया है। नागरिक अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध पूरे देश में सम्मानित शिक्षाविद, अध्येता इतिहासकार प्रो. आरिफ भारतीय संविधान के अंतर्निहित मूल्य विषय पर संबोधित करेंगे। प्रो. आरिफ अपने व्याख्यानों के द्वारा सामाजिक न्याय, समानता, सद्भाव, सौहार्द एवं राष्ट्रीय एकता के लिए लंबे अरसे से शिद्दत के साथ पूरे देश में सक्रिय हैं।

सिटी इवेंट

पहाड़ी गीतों में दिखी उत्तराखंड की संस्कृति, लोकनृत्यों ने मोहा मन

रायपुर। राजभवन में मंगलवार को कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली, झारखंड, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में इन राज्यों के बच्चों एवं युवाओं ने अपने राज्य की संस्कृति एवं लोकपरंपरा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। भरतनाट्यम, सरहुल एवं अन्य लोकनृत्यों ने दर्शकों का मन मोह लिया। युवाओं की प्रस्तुति में आदिवासियों की अनूठी परंपराएं, रीति-रिवाज, लोकगीत, संगीत, नृत्य की कलाएं देखने को मिलीं। पारंपरिक वेशभूषा में युवाओं ने प्रस्तुति दी है। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि भारत विभिन्न रंगों के अनेक पुष्पों की एक माला है। हर राज्य की अपनी एक अलग पहचान है। इन राज्यों के लोग अपनी विशिष्ट पहचान के साथ छत्तीसगढ़ में निवास करते हुए व्यवसाय या नौकरी कर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

तमिलनाडु भाषा, साहित्य, आध्यात्मिक धरोहर के लिए विख्यात

राज्यपाल श्री डेका ने विभिन्न राज्यों की विशेषताओं को रेखांकित किया। माटी का स्वर्ग, कर्नाटक अपने अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृति के साथ-साथ भाषा और साहित्य में समृद्ध है। यह राज्य कन्नड़ साहित्यकारों और कवियों का घर है, जिन्होंने भारतीय साहित्य को अद्वितीय ऊंचाईयां प्रदान की हैं। तमिलनाडु राज्य के संबंध में कहा कि यह भारत की द्रविड़ सभ्यता का केंद्र है, जो अपनी कला, संस्कृति, भाषा, साहित्य, आध्यात्मिक धरोहर के लिए विख्यात है। इस राज्य ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि हुए शामिल

राज्यपाल ने देवभूमि उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के बीच समानताओं का उल्लेख किया। दोनों राज्यों का बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में रहता है और कृषि उनकी आजीविका का प्रमुख साधन है। कार्यक्रम में दिल्ली राज्य के प्रतिनिधि नवनीत अग्रवाल, उत्तराखंड के प्रतिनिधि ओमप्रकाश, झारखंड के प्रतिनिधि डॉ. चिरंजीवी जैन, कर्नाटक की प्रतिनिधि डॉ. शीला श्रीधर, तमिलनाडु के प्रतिनिधि एस. स्वामीनाथन ने राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से सम्मानित किया। राज्यपाल द्वारा भी इनको राजकीय गमछा पहनाकर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री उषा बारले, राज्यपाल के सचिव यशवंत कुमार, संयुक्त सचिव हिना अनिमेष नेताम, इन सभी राज्यों के छत्तीसगढ़ में निवासरत, बच्चे, युवा, महिलाएं एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बस्तर ओलंपियाड थीम पर सजेगी फूल-सब्जी की प्रदर्शनी

खुबसूरत फूलों से सजने लगा गांधी उद्यान लोगों को लुभा रही महक और चमक

कार्नर न्यूज

रायपुर। राजधानी स्थित गांधी उद्यान में फल, फूल, सब्जियों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। तीन दिवसीय प्रदर्शनी का प्रारंभ 10 जनवरी को होगा। इसे प्रकृति की ओर सोसायटी, उद्यानिकी विभाग छत्तीसगढ़ शासन, जिंदल स्टील एंड पॉवर लिमिटेड, आईजीकेवी और नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया जाना है। प्रकृति की ओर सोसाइटी से दलजीत बग्गा ने बताया, जिंदल स्टील प्लांट की ओर से फूल एवं पौधों को सजाने का कार्य जारी है। बुधवार को राज्य के 33 जिलों के किसान शामिल होंगे, जो फूल, फल और पौधे ला रहे हैं। प्रदर्शनी की शुरुआत 10 जनवरी को होगी, इस दौरान दोपहर 2 बजे तक साज-सज्जा का कार्य निरंतर जारी रहेगा। इस वर्ष डायनथस कैरीओफिलस, हैलो ऑफ और बड्स ऑफ काइट जैसे दुर्लभ फूल राजधानी में आने वाले हैं।

स्कूल और कॉलेज छात्राओं की भागीदारी

प्रदर्शनी के दौरान स्कूल और महाविद्यालय के विद्यार्थियों को भी मौका दिया जाता है। इसमें कृषि महाविद्यालय, गुढ़ियारी स्थित आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल और बोरियाकला शास्कीय विद्यालय के छात्र हिस्सा लेने जा रहे हैं। इस दौरान फूल और सब्जियों की मदद से प्रदर्शनी सजाई जाएगी, जिसे थीम बेस्ट तैयार किया जाएगा। इस वर्ष बस्तर ओलंपियाड प्रदर्शनी की एक थीम तय की गई है। इसमें प्रेरणा ब्लाइंड स्कूल के विद्यार्थी भ्रमण करने के उद्देश्य से शामिल होंगे, जो फूल-पौधों को स्पर्श कर महोत्सव का हिस्सा बनेंगे।

प्रदर्शनी में बोनसाई भी शामिल

प्रदर्शनी में गुलाब, गेंदा, ग्लेडोलाई, सेवंती, डहेलिया, जरबेरा, फ्लाक्स बर्बीना, कारनेशन, लिली फूल देखने को मिलेंगे। इस वर्ष बोनसाई भव्य प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है, जिसे 9 जनवरी को ही उद्यान में सजाया जाएगा। प्रदेश के विभिन्न राज्यों से फूलों के पौधे शामिल होने जा रहे हैं। फूल प्रदर्शनी को सेल्फी जोन के हिसाब से तैयार किया जाएगा, इसमें दर्शक यादगार फोटो क्लिक कर सकेंगे।

इवेंट लाइव

अग्रहरि वैश्य समाज का सम्मेलन 8 राज्यों के युवाओं ने दिया परिचय

रायपुर। छत्तीसगढ़ अग्रहरि वैश्य समाज एवं रायपुर अग्रहरि समाज के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिष्ठा मैरिज पैलेस में अग्रहरि समाज का अखिल भारतीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न हुआ। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, बिहार, गुजरात, तमिलनाडु समेत अनेक प्रदेशों से सामाजिक पदाधिकारी एवं युवक-युवतियां शामिल हुए। समाज के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष विद्रुप अग्रहरि, राष्ट्रीय महामंत्री कुलभास्कर, अग्रहरि समाज के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध अग्रहरि, संरक्षक सोमचंद अग्रहरि, अजय अग्रहरि, उद्योगपति राजेश अग्रहरि, विधायक विकास अग्रहरि, छत्तीसगढ़ अध्यक्ष सुजीत गुप्ता, महामंत्री मनोज केशव गुप्ता, रायपुर अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता, सचिव सौरभ गुप्ता एवं केंद्रीय पदाधिकारी व प्रदेश एवं रायपुर समाज द्वारा पूजन-अर्चन किया गया। तत्पश्चात समाज की महिला मंडल द्वारा गणेश वंदना और स्वागत गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

सामाजिक भवन के लिए 25 लाख की स्वीकृति

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सभी को समाजसेवा के लिए तत्पर रहने की प्रेरणा दी और कहा कि समाज एकजुट तभी है, जब हम संगठित होकर समाज को एक मूर्त रूप दें। इस अवसर उन्होंने समाज के भवन के लिए सांसद निधि से 25 लाख रुपए देने की घोषणा की। रायपुर ग्रामीण विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज की दशा-दिशा बदलने में सहयोग करेंगे। रायपुर विधायक सुनील सोनी ने इस सार्थक पहल के लिए अग्रहरि समाज को शुभकामना देते हुए कहा कि समाज ने जो कार्यक्रम आयोजित किया है।

समाज लाइव

बीमारियों से बचाने चलाया स्वच्छता अभियान, गार्डन किया साफ

रायपुर। हरा भरा, स्वच्छ धरा के उद्देश्य को लेकर स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति छत्तीसगढ़ की टीम द्वारा लगातार 96वें सप्ताह स्वच्छता अभियान चलाया। स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण जागरूकता अभियान के अंतर्गत नाड़ी वैद्य प्रदेश उपाध्यक्ष बिरेन्द्र कुमार देशमुख एवं संस्थापक प्रदेश अध्यक्ष नवनीत कुमार हरदेल के मार्गदर्शन में सड़क 78, सेक्टर 6, हनुमान शिव मंदिर में साफ सफाई करते हुए लोगो को स्वच्छता के प्रति जागरुक किया। इस दौरान प्लास्टिक बॉटल, पानी पाऊच, दोना, प्लास्टिक चम्मच, झिल्ली, अनावश्यक खरपतवार, गाजर घास को उखाड़कर अवांछित कचरे को इकट्ठा कर निर्धारित स्थान पर डाला गया एवं पेड़ के अनावश्यक डालियों की कटाई छंटाई कर आने जाने के लिए रास्ता साफ किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष नवनीत कुमार हरदेल ने कहा कि यदि हर कोई स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक होकर अपनी अपनी जिम्मेदारी समझे तो वो दिन दूर नहीं जब अपने आसपास सहित पूरा देश हरा भरा और स्वच्छ रहेगा। इसी कड़ी सड़क 78 की रहवासी सुनीता मिश्रा ने बताया कि हमारे सड़क से लगा एम जी एम स्कूल है वहां का कचरा भी हमारे सड़क के ईर्द-गिर्द फेंक दिया जाता है, जिससे गंदगी फैलती है जिससे हमें बीमारी का खतरा बना रहता है, हमारे जनप्रतिनिधि भी इस एरिया में साफ-सफाई के लिए ध्यान नहीं दे रहे हैं।

सिटी इवेंट

गीत, गजल और शायरी से सजी महफिल, बटोरी वाहवाही

रायपुर। साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था एकत्र द्वारा नववर्ष पर साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के अध्यक्ष साहित्यकार, लेखक, कवि एवं पूर्व कमिश्नर दुर्ग संभाग त्रिलोक महावर और मुख्य अतिथि अन्तर्राष्ट्रीय शायर मुमताज़ थे। कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कवियों, कवियित्रियों, शायरों और गजलकारों ने शिरकत की तथा अपनी प्रस्तुतियो के निराले अंदाज से श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम में हाजी रियाज खान, युसुफ सागर, मुमताज़, रामबरन कोरी कशिश, डॉ नौशाद अहमद सिद्दीकी, डॉ बीना सिंह, शबा ख़ान एवं शुचि भवि द्वारा अपनी कविता, गीतों, गजल, नज़्म एवं शायरी से कार्यक्रम में समां बांधा और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का आयोजन एकत्र संयोजक महेश कुमार विनोदिया द्वारा किया गया था और संचालन कवियत्री शुचि भवि ने अपनी गजल के आगाज़ से किया। अंत में अध्यक्ष त्रिलोक महावर ने सभी की रचनाओं की समीक्षा करते हुए अपनी कविता की सुंदर प्रस्तुति दी तथा नये वर्ष में प्रेम और भाईचारे का संदेश देते हुए कहा कि प्रेम अनमोल है, पूरा नया साल सबके लिए प्रेममयी हो, सभी प्रेम से लबालब रहे, खुश और आनंदित रहे, सभी परिवारों में प्रेम और भाईचारा बढ़े, हम सभी इंसान हैं और इन्सानों की तरह रहें।

बीटीआई ग्राउंड में प्रदर्शनी के स्टॉल बने आकर्षण का केंद्र

साड़ी पर उकेरा छत्तीसगढ़ का राजगीत आदिवासी संस्कृति की चित्रकारी बनी पसंद

इन दिनों व्यवसाय में भी महिलाओं की भागीदारी देखने को मिल रही है। जहां महिलाएं भी पारिवारिक व्यवसाय में हाथ बंटाने का कार्य कर रही हैं। ग्रामीण महिलाएं घर पर ही रहकर अपनी अनोखी कारीगरी का नमूना साड़ियों पर उकेर रही हैं। महिलाएं प्राकृतिक फूल, पत्ते, पेड़, आयुर्वेदिक पौधों के प्रयोग से रंगों का निर्माण कर रही हैं, जिससे साड़ियों पर पारंपरिक संस्कृति एवं रहन-सहन को चित्रों के माध्यम से बयां कर रही हैं। कड़ी मेहनत और लगन से एक-एक साड़ी तैयार की जाती है, जिसे तैयार करने से लेकर चित्रकारी एवं मार्केट तक पहुंचाने में कड़ी मेहनत की जाती है।

रायपुर। शहर स्थित बीटीआई ग्राउंड में 'राज्य स्तरीय खादी और पीएमईजीपी प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया है, जिसका समापन 12 जनवरी को किया जाएगा। प्रदर्शनी से प्रबंधक समूह के सदस्य रिजवान अहमद ने बताया, केंद्र सरकार द्वारा दस दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इसमें दो भागों में स्टॉलों को विभाजित किया गया, एक ओर खादी और दूसरी और ग्रामोद्योग के व्यापारियों ने स्टॉल सजाए हैं। प्रदर्शनी में सौ से अधिक स्टॉल सजे हैं, इसमें झारखंड, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, बंगाल एवं छत्तीसगढ़ के व्यापारी शामिल हैं।

भरथरी लोकगीत की प्रस्तुति

संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में रोजाना सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, मंगलवार को लोकगीत भरथरी की प्रस्तुति दी गई। युवा कलाकारों द्वारा देर शाम 8 बजे से प्रारंभ लोकगाथा का समापन रात 10 बजे हुआ। इस दौरान मंच पर 10 से अधिक लोगों की टीम उपस्थित रही। भरथरी गायन के दौरान कलाकरों का उत्साह देख दर्शक भी झूमते गाते लोकगीत का आनंद लेते नजर आए। बुधवार को बारहमासी लोकगीत पर नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी, इस दौरान 20 से अधिक कलाकार मंच पर नृत्य का मंचन करेंगे।

ग्रामीण महिलाओं की चित्रकारी, साड़ी पर पिरोया लोक संस्कृति का दृश्य

ग्रामीण महिलाओं की अद्भुत कारीगरी

झारखंड से आए दुकान संचालक श्रीराम प्रसाद ने बताया, राज्य के भगइया गांव के प्रत्येक घर में मधुबनी प्रिंट का कार्य किया जाता है। जिसे गांव की महिलाएं और स्कूली बच्चियां मिलकर तैयार करती हैं। प्राकृतिक रंगों से तैयार मधुबनी प्रिंट हाथों की कलाकारी का एक नमूना है, जिसे 10 दिनों की कड़ी मेहनत से तैयार किया गया। चार रंगों के सही तालमेल से डिजाइन तैयार किया गया, इसमें रामदरबार एवं लोगों का उत्साह चित्र में दर्शाने का प्रयास किया गया है।

पेड़-पौधों से रंगों का निर्माण

रायगढ़ से दुकान संचालक डीके देवांगन ने बताया, कोसा फ्रैब्रिक में तैयार साड़ी महिलाओं की पहली पसंद है। इस साड़ी में मधुबनी प्रिंट किया गया है, जिसका प्रत्येक रंग प्राकृतिक चीजों से लिया गया। हरा रंग पेड़ के पत्ते से बनाया गया तो वहीं लाल, नीला और हरा रंग गोदना पेंट से लिया गया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा गोदना बनाने के लिए आयुर्वेदिक पेड़-पौधे के प्रयोग से रंग तैयार किया जाता है, जिसे साड़ी में केमिकल के साथ पक्के रंग के लिए गोदना पेंट का प्रयोग किया जाता है। गांव की महिलाओं का समूह डिजाइन का कार्य करता है, एक साड़ी तैयार करने में 2-3 महिलाओं की मेहनत होती है।

डिजाइन के बदले राजगीत से सजाया पल्ला

चंद्रकूट से आए दुकान संचालक मुकेश देवांगन का स्टॉल महिलाओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। स्टॉल में छत्तीसगढ़ का राज्यगीत अरपा पैरी के धार, महानदी हे अपार...एक साड़ी पर उकेरा गया है। पारंपरिक त्योहार, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस के खास मौके को ध्यान में रखकर इसे तैयार किया गया है। साड़ी के पल्ले पर राज्यगीत लिखा गया, वहीं साड़ी के बॉर्डर पर आदिवासी नृत्य की झलक देखने को मिल रही है। इस कोसा साड़ी की कीमत 9 हजार रुपए तय की गई है।

साड़ी पर आदिवासी संस्कृति और रहन-सहन

सिवनी चांपा से पहुंचे रामकृष्ण बरेठ ने बताया, प्रदर्शनी में कोसा फ्रैब्रिक महिलाओं की पहली पसंद है। इस प्रदर्शनी में साल 2020 में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित साड़ी का डिजाइन भी लाई गई है। स्टॉल में साड़ी पर आदिवासी संस्कृति, उनका रहन-सहन एवं परंपराओं का चित्रण किया गया है। यह साड़ी अपनी डिजाइन के कारण दूसरों से अलग है, जिसकी कीमत 12 हजार रुपय तय की गई। साड़ी रंगने के लिए गेंदा, पलाश फूल ,बबूल की छाल और अन्य फूल-पौधो का प्रयोग किया गया है।

नंदनवन...पानी में अठखेलियां

रायपुर। नंदनवन पक्षी विहार में इन दिनों में ठंड में राजहंस, बतखें व मोर अठखेलियां करने लगे हैं। मोर अपने पंख फैलाकर धूप का आनंद ले रहे, वहीं दूसरी ओर सर्दी में भी मौसम थोड़ा गर्म हुआ तो राजहंस पानी के अंदर, और बतखें कुछ इस तरह अठखेलियां करने लगीं। इन दिनों सुबह-शाम ठंड अधिक है, बाकी दिन में अच्छी धूप रहती है। पक्षी भी इसका आनंद ले रहे हैं।

फूल एवं आभूषणों से विशेष श्रृंगार

अन्नकूट उत्सव के दौरान नए वस्त्र और स्वर्ण, चांदी के आभूषणों से विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर प्रांगण को भी फूलों एवं अन्य वस्तुओं से सजाया गया। महोत्सव की तैयारी सप्ताहभर से की जा रही थी, जहां मंदिर परिसर में ही सभी भोग तैयार किए गए। महोत्सव में ट्रस्टी जयेश पारेख, कृष्ण कुमार पुरोहित, मीरा पंड्या उपस्थित रहीं।

गोकुलचंद्रा मंदिर में अन्नकूट महोत्सव, 56 भोग अर्पित

रायपुर। बूढ़ातालाब स्थित गोकुलचंद्रा मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। मंगलवार को भक्तों की भीड़ सुबह से ही मंदिर प्रांगण में श्रीकृष्ण के अन्नकूट उत्सव में शामिल होने पहुंची। दोपहर 12.30 से 1.30 बजे तक अन्नकूट उत्सव धूमधाम से मनाया गया, जहां श्रीगोपाल को भजनों के साथ 56 प्रकार से अधिक मिष्ठान का भोग लगाया गया।

हस्तरेखा दिखाने ज्योतिषियों के फेर में पड़ गए हैं लोग

मन-काया को काम पर लगाओ, कर्म और पुरुषार्थ करो

कार्नर न्यूज

रायपुर। जैनम मानस भवन में छठवें दिन भागवताचार्य रमेश भाई ओझा ने गोवर्धन प्रसंग पर बताया कि इंद्रदेव को अहंकार हो गया था। इसे तोड़ने श्रीकृष्ण ने बृजवासियों को कहा कि क्या तुमने इंद्र को कभी देखा है, जो उनकी पूजा करते हो। जो प्रत्यक्ष देव हैं, उसकी पूजा करो। गोवर्धन पर्वत, गोमाता की पूजा करो। गोवर्धन तुम्हें फल, फूल, औषधि देते हैं। गोमाता से तुम्हारा जीवनयापन होता है। इसी को आगे उद्धृत करते हुए बताया कि केवल देव दीपन कर या भाग्यावादी बनकर जीना भी गलत है। इसीलिए तो लोग आज हस्तरेखा दिखाने ज्योतिषों के फेर में पड़ गए हैं। इसी में रुचि है लोगों को। गीता में भगवान ने भाग्य को पांचवे क्रम में बताया है। मन काया को काम पर तो लगाओ, कर्म तो करो, पुरुषार्थ तो करो। हालांकि होगा सबकुछ देव कृपा से ही।

हिंसा से जिसके दिल में दुख होता है, वह हिंदू है

बड़ी ही मार्मिक व्याख्या करते हुए उन्होंने बताया कि हिंसा से जिसके दिल में दुख होता है, वह हिंदू है। संवेदनशीलता व सहनशीलता की पराकाष्ठा है। जो आत्मा मुझमें वहीं सब में है, यह मानता है। इसलिए चीटियों ही नहीं, हर जीव से प्यार करता है। जीवनशैली का नाम हैं। ऐसी समग्र पद्धति हारमेनिक क्रिएट करते हैं जीने के लिए। जिसने बिगड़ते पर्यावरण को संतुलित करने के लिए प्रकृति की पूजा करना सिखाया है। इसका समाधान भी हिंदू जीवनशैली में है। इसलिए इंद्र की भांति अहंकार नहीं करना, भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन लीला के माध्यम से यह सीख दी है।

प्रत्येक व्यक्ति को शांति और समाज को क्रांति चाहिए और यह दोनों प्रदान करने वाला श्रीकृष्ण चरित्र है। शांति के वातावरण में समाज, परिवार, राष्ट्र को उन्नति प्राप्त होती है। वहीं समय-समय पर समाज में बदलाव के लिए क्रांति भी आवश्यक है। ऐसा करने के लिए साधु संत, नेता, युगपुरुष समय के साथ प्रकट होते हैं। श्रीकृष्ण के चरित्र में ऐसा जादू है कि व्यक्ति को शांति और समाज को क्रांति प्रदान करता है।

किसी संकल्प के लिए गांठ मत बांधिएगा, वरना मुक्त नहीं हो पाएंगे

मैक कॉलेज ऑडिटोरियम में सीताजी के प्रसंग पर चल रही श्रीराम कथा में मैथिलीशरण भाईजी ने मंगलवार को बताया कि कान का अहंकार इतना बड़ा होता है कि कितना भी खिलाओ-पिलाओ पेट ही नहीं भरता और जब ज्यादा हो जाता है तो नतीजा ये होता है कि वह आपे से बाहर हो जाता है। रामचरित मानस सुमति की कथा है, इसको सुनिए मत, कहीं पर भी बैठ जाइए तो भी सब जगह सुनाई देता है। जिसका आप पूजन कर रहे हैं, वो तो जान रहा है कि हमने तुम्हारी पूजा की है, जब वो जान रहा है, भले कोई जाने या ना जाने और हमारा दुर्भाग्य क्या होता है वो जाने या ना जाने ये जान जाए बस..। हम आपको भगवान के सामने प्रमुख मानते हैं, लेकिन आपने जनता के सामने प्रमुख रहने के लिए खरी-खोटी सुनाकर यह सिद्ध कर दिया कि वह व्यक्ति कितना अहंकारी होगा। हमारी निर्मल मति हो, ताकि हम उस रामायण के तत्व को समझ सकें।

हेल्थ टिप्स

हार्मोन की गड़बड़ी से हो सकती हैं बहुत सी समस्याएं

महिलाओं के शरीर में कई तरह के हार्मोन होते हैं इनमें असंतुलन पैदा होने पर कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं हार्मोन में से एक है प्रोलैक्टिन हार्मोन, जो मुख्य रूप से महिलाओं में गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान सक्रिय होता है। यह हार्मोन मस्तिष्क के पिट्यूटरी ग्रंथि द्वारा उत्पादित होता है, हालांकि जब प्रोलैक्टिन का स्तर असंतुलित हो जाता है तो यह शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि प्रोलैक्टिन के असंतुलित होने पर शरीर में कौन-कौन सी समस्याएं हो सकती हैं। इस बारे में हेल्थ एक्सपर्ट रामिता कौर ने जानकारी साझा की है।

प्रोलैक्टिन असंतुलित होने से क्या होता है?

प्रोलैक्टिन का असंतुलन मासिक धर्म चक्र को प्रभावित कर सकता है। इसका ज्यादा उत्पादन ओवुलेशन को रोक सकता है। इसके असंतुलन के कारण गर्भधारण में समस्या पैदा हो सकती है। प्रोलैक्टिन का उच्च स्तर स्तनों में कोमलता और सूजन का कारण बन सकता है इसके कारण महिलाएं स्तन में दर्द और संवेदनशीलता महसूस कर सकती हैं। प्रोलैक्टिनके उच्च स्तर के कारण शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा पड़ सकता है जिससे वजन बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। प्रोलैक्टिन के असंतुलन होने से हड्डियों की डेंसिटी में कमी आ सकती है, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्या पैदा हो सकती है प्रोलैक्टिन इंबैलेंस के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण चिंता और

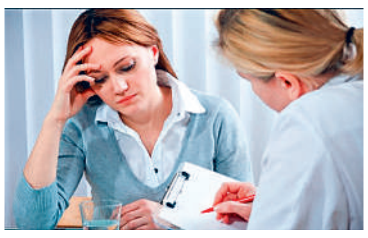

एंग्जायटी को बढ़ावा मिल सकता है। मूड स्विंग्स में बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा शरीर में वसा का जमाव बढ़ सकता है खासकर पेट और कमर के आसपास जो कि मोटापे का कारण बन सकता है।

ऐसे पहचानिए लक्षणों को

हेल्दी रहने के लिए शरीर में हार्मोन का संतुलित होना बेहद जरूरी होता है। हार्मोन में गड़बड़ी होने पर कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कमजोरी से लेकर चिड़चिड़ेपन तक महिलाएं अक्सर छोटी-मोटी हेल्थ प्रॉब्लम्स को इग्नोर कर देती हैं, लेकिन यह हार्मोनल इंबैलेंस के लक्षण हो सकते हैं। महिलाओं में हार्मोन का इंबैलेंस वैसे तो पीरियड्स के शुरुआती चरण या फिर मेनोपॉज और प्रेग्नेंसी के दौरान दिखता है, लेकिन आजकल की बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल में ये समस्या काफी देखने को मिलती है। हार्मोन का संतुलन बनाए रखने के लिए दिनचर्या और खानपान में कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। अगर हार्मोन का असंतुलित हो जाएं और ध्यान न दिया जाए तो समस्या गंभीर भी हो सकती है।

क्या होते हैं हार्मोन?

शरीर में उपस्थित एंडोक्राइन सिस्टम से (जो ग्रंथियों का एक समूह होता है) हार्मोन का उत्पादन और स्राव होता है। हार्मोन एक तरह के रसायन होते हैं जो शरीर के अलग-अलग हिस्सों में जाकर एक मैसेंजर यानी संदेशवाहक के रूप में काम करते हैं। जब हार्मोन की मात्रा घटती या बढ़ जाती है तो इसे हार्मोनल इंबैलेंस कहते हैं। जिसका असर शरीर पर कई समस्याओं के रूप में दिखाई देने लगता है।

हार्मोन असंतुलित होने पर ये दिखाई देते हैं लक्षण

महिलाओं में हार्मोन असंतुलित होने पर पीरियड्स साइकिल का अनियमित होना, अचानक वजन बढ़ना या फिर घटना, पीठ की निचले हिस्से में दर्द रहना, स्किन प्रॉब्लम्स, हेयर फॉल, कमजोरी और थकान महसूस होना, कब्ज की समस्या, नींद में कमी जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

इन फूड्स की वजह से गड़बड़ा सकते हैं हार्मोन

खराब खानपान भी हार्मोनल इंबैलेंस की एक बड़ी वजह होता है। ज्यादा शुगर वाले फूड्स, रिफाइंड आटा यानि मैदा से बनी चीजें, रिफाइंड ऑयल का ज्यादा इस्तेमाल, प्रोसेस्ड फूड्स, अल्कोहल का सेवन और स्मोकिंग जैसी चीजों का सेवन करना हार्मोन के स्तर पर बुरा असर डालता है। इसके अलावा खराब डेली रूटीन से भी यह समस्या हो सकती है।

इस मौसम में खानपान पर खास तौर पर ध्यान देना जरूरी

सर्दियों में बढ़ गई है पेट दर्द, अपच-गैस की दिक्कत? जानिए क्या है इसका कारण और कैसे करेंगे बचाव

ठंड के दिनों में कई लोगों में पेट की तकलीफ बढ़ जाती है। ऐसा होने के लिए कई कारणों को जिम्मेदार माना जाता है, हालांकि अच्छी बात ये भी है कि कुछ सरल उपायों को अपनाकर आप अपने लक्षणों को कम कर सकते हैं।

सर्दियों का ये मौसम आपकी सेहत के लिए कई प्रकार की चुनौतियां बढ़ाने वाला हो सकता है। कम होते तापमान के कारण जोड़ों-हड्डियों में दर्द बढ़ने के साथ हृदय रोग, श्वसन समस्याओं का भी जोखिम अधिक हो जाता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को इस मौसम में अपनी सेहत को विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह देते हैं।

ठंड के दिनों में पाचन समस्याएं भी काफी आम हो जाती हैं। अगर आपको सर्दी में पेट दर्द या कब्ज-अपच की दिक्कत हो रही है तो यकीन मानिए आप अकेले नहीं हैं। ठंड के मौसम में कई लोगों को पेट में तकलीफ हो सकती है। ऐसा होने के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं, हालांकि अच्छी बात ये भी है कि कुछ सरल उपायों को अपनाकर आप अपने लक्षणों को कम भी कर सकते हैं।

डॉक्टर कहते हैं, वैसे तो पाचन की समस्याएं काफी आम हैं और घरेलू उपायों से इसमें लाभ भी पाया जा सकता है। हालांकि अगर आपको लंबे समय से ये दिक्कत बनी हुई है और सामान्य उपायों-दवाओं से इसमें आराम नहीं मिल रहा है तो इसका समय रहते निदान जरूर करा लें। कुछ स्थितियों में ये गंभीर अंतर्निहित बीमारियों का भी संकेत हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ठंड के महीनों में पेट दर्द और पाचन से संबंधित समस्याओं में वृद्धि हो सकती है। जैसे-जैसे तापमान गिरता है, हमारे शरीर के रक्षा तंत्र हमें ठंड से बचाने के लिए सक्रिय हो जाते हैं। इसके कारण आमतौर पर रक्त वाहिकाओं में संकुचन और पाचन तंत्र के भीतर आंतरिक दबाव बढ़ने लगता है। यह बढ़ा हुआ दबाव पेट में ऐंठन और दर्द का कारण बन सकता है।

इसके अलावा लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण भी आपको पाचन तंत्र की दिक्कतें अधिक हो सकती हैं।

लाइफस्टाइल, आहार में गड़बड़ी

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ अमित नारंग बताते हैं, सर्दियों में पाचन खराब होने और पेट से संबंधित दिक्कत बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं। सर्दियों के दौरान हम में से अधिकतर लोगों की शारीरिक रूप से सक्रियता जैसे चलने-व्यायाम में कमी आ जाती है। ज्यादातर समय बैठे रहने या रजाई में सोते रहने के कारण आंत की गतिशीलता कम हो जाती है जिससे गैस्ट्रोपेरेसिस का खतरा बढ़ जाता है।

इसके कारण मतली-उल्टी, पेट फूलने, पेट दर्द जैसी दिक्कतें होती हैं।

इसके अलावा सर्दियों में कम पानी पीने, मसालेदार-तली भुनी चीजें अधिक खाने का भी पाचन पर नकारात्मक असर हो सकता है।

इन दिक्कतों से कैसे आराम पाएं?

डॉक्टर बताते हैं, सर्दियों में पेट की दिक्कतों को कम करने में कुछ आसान से उपाय मददगार हो सकते हैं। इसके लिए एक साथ खाना खाने के बजाय, कई बार में थोड़ा-थोड़ा भोजन करें। मसालेदार भोजन हार्टबर्न और पेट दर्द का कारण बन सकते हैं, इस तरह के गड़बड़ खान-पान से बचें।

कहीं छोटा न रह जाए आपका बच्चा, संपूर्ण विकास के लिए रखें इन बातों का ध्यान

संपूर्ण विकास के लिए किस आयु से बच्चे की देखभाल पर ध्यान दिए जाने की जरूरत होती है, ताकि अपनी उम्र के हिसाब से उसकी हाइट भी कम न हो और वह अन्य बच्चों की तुलना में छोटा न रह जाए।

बच्चे के संपूर्ण विकास के लिए माता-पिता की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए सही देखरेख और पोषण जरूरी है। शुरुआत गर्भावस्था से ही हो जाती है। बच्चे के विकास की नींव गर्भावस्था के समय ही रखी जाती है। मां को संतुलित आहार, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए। सकारात्मक सोच और तनाव मुक्त जीवन बच्चे के मानसिक विकास और स्वस्थ रूप से प्रसव में सहायक होती है।

हालांकि बच्चे के जन्म के बाद उसके शारीरिक विकास, जैसे स्वस्थ शरीर, लंबाई बढ़ाने, मांसपेशियों की मजबूती आदि का खास ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही बच्चा का मानसिक विकास भी उम्र के मुताबिक धीमी गति से न हो, इसका भी ध्यान दिए जाने की जरूरत है। ऐसे में आइए जानते हैं कि संपूर्ण विकास के लिए किस आयु से बच्चे की देखभाल पर ध्यान दिए जाने की जरूरत होती है, ताकि अपनी उम्र के हिसाब से उसकी हाइट भी कम न हो और वह अन्य बच्चों की तुलना में छोटा न रह जाए।

जन्म से 2 वर्ष तक

यह समय बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण होता है। जन्म के बाद 1000 दिनों तक बच्चे

को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। कम से कम 6 महीने तक केवल मां का दूध देना चाहिए। 6 महीने के बाद पोषक तत्वों से भरपूर भोजन देना शुरू कर दें। इसके अलावा अपने बच्चे से बात करना, आंखों में देखना, संगीत सुनाना और खिलौनों से खेलना जरूरी है। साथ ही टीकाकरण और समय-समय पर डॉक्टर से जांच भी जरूर कराएं।

3 से 5 वर्ष की उम्र

ये आयु बालपन की होती है। इस उम्र में बच्चे की मोटर स्किल्स का विकास होता है। उसे दौड़ना, कूदना, ड्राइंग, रंग भरना जैसी गतिविधियां कराएं। इस आयु में बच्चा भाषायी ज्ञान प्राप्त करता है। उससे बातचीत करना शुरू कर दें। बच्चे को कहानियां सुनाएं और किताबें पढ़ें ताकि उसकी भाषायी समझ बढ़े। हरी सब्जियां, फल, दूध और प्रोटीन युक्त आहार दें। साथ ही बच्चे को आत्मनिर्भर बनाना सिखाएं, जैसे अपने जूते पहनना या हाथ धोना।

6 से 12 वर्ष की उम्र

इस उम्र में बच्चा विद्यालय जाने लगता है। 12 वर्ष की आयु तक के बच्चों की शारीरिक गतिविधियां बढ़ जाती हैं। उन्हें खेल, योग और अन्य शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें और पढ़ाई में रुचि बढ़ाने के लिए बच्चों की मदद करें।

क्या दरवाजे के पीछे कपड़े टांगना ठीक है, जानें क्या कहता है वास्तु

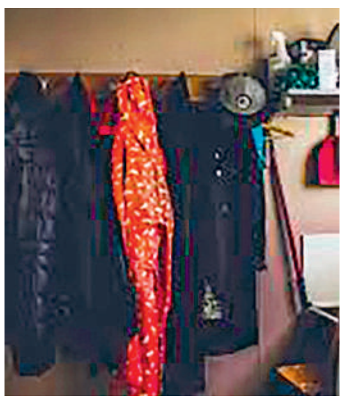

कई बार हम घर में ऐसी गतिविधियां जाने अनजाने में करते हैं जिससे आपके जीवन में वास्तु दोष हो सकता है। ऐसे ही अगर आप दरवाजे के पीछे कपड़े टांगने की गलती करती हैं तो से घर में नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं। आइए जानें कैसे-

हर घर की छोटी-बड़ी आदतें न केवल हमारी जीवनशैली को प्रभावित करती हैं, बल्कि घर की ऊर्जा और माहौल पर भी गहरा प्रभाव डालती हैं। इनमें से एक आम आदत है दरवाजे के पीछे कपड़े टांगना। अक्सर लोग जगह की कमी या सुविधा के लिए दरवाजे के पीछे कपड़े टांग देते हैं।

कई बार आदत की वजह से भी लोग ऐसा करते हैं और पर्याप्त जगह होने पर भी कपड़ों को दरवाजे के पीछे टांगते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इसका असर आपके घर की सकारात्मकता और समृद्धि पर हो सकता है? वास्तु शास्त्र, जो घर की ऊर्जा को संतुलित रखने का विज्ञान है, ऐसी छोटी-छोटी आदतों पर विशेष ध्यान देता है।

वास्तु के अनुसार, दरवाजा घर में ऊर्जा के प्रवेश और निकास का मुख्य माध्यम होते हैं। यदि दरवाजे के पीछे कपड़े टांगे जाते हैं तो यह ऊर्जा प्रवाह में बाधा उत्पन्न कर सकता है, जिससे परिवार के सदस्यों के रिश्ते, स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। आइए हम यहां सेलिब्रिटी एस्ट्रोलॉजर प्रद्युमन सूरी से विस्तार से जानें कि क्या दरवाजे के पीछे कपड़े टांगना ठीक है, या फिर इसके कुछ नुकसान हो सकते हैं।

यदि हम वास्तु की मानें तो दरवाजे के पीछे कपड़े टांगना वास्तु के अनुसार शुभ नहीं माना जाता है और ये वास्तु दोष का कारण बन सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर का हर दरवाजा सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश और नकारात्मक ऊर्जा के निष्कासन का मुख्य मार्ग होता है।

जब दरवाजे के पीछे कपड़े टांगे जाते हैं, तो यह ऊर्जा के प्रवाह में बाधा उत्पन्न करता है। परिणामस्वरूप, घर में अशांति, तनाव और आर्थिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। दरवाजे के पीछे कपड़े टांगने से घर का वातावरण अव्यवस्थित होने लगता है। यह केवल देखने में ही अव्यवस्थित नहीं लगता है बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मक सोच को भी बाधित करता है।

बिना कद्दूकस किए गाजर का हलवा ऐसे बनाएं, बाजार जैसा आएगा स्वाद

गाजर को कद्दूकस करना बहुत मेहनत का काम होता है और इसमें समय भी काफी लग जाता है। ऐसे में अगर जल्दी गाजर का हलवा बनाना हो और कद्दूकस करने की मेहनत से भी बचना हो तो गाजर को कद्दूकस किए बिना भी हलवा बनाया जा सकता है। यहां आपको बिना कद्दूकस किए हुए गाजर का हलवा बनाने की आसान विधि बताई जा रही है। घर पर बाजार जैसा हलवा बनाने के लिए ये विधि अपना सकते हैं।

एक किलो मोटी गाजर लें। एक लीटर फुल क्रीम दूध, 200 ग्राम खोया, एक कप चीनी, चार बड़े चम्मच घी, एक छोटा चम्मच इलायची पाउडर, एक चम्मच किशमिश, आधा कप बारीक कटे काजू, बादाम और पिस्ता।

गाजर का हलवा बनाने की विधि

स्टेप 1- गाजरों को धोकर छील लें और बड़े टुकड़ों में काट लें। अब एक कुकर में गाजरों को डालें और आधा कप पानी डालकर 2-3 सीटी आने तक पका लें। अगर भगोने में गाजर उबाल रहे हैं तो 10-15 मिनट धीमी आंच पर ढक कर पकाएं।

स्टेप 2- गाजर जब नरम हो जाए तो उन्हें किसी करछी या बेलन की मदद से हल्का मैश कर लें। ध्यान रखें कि गाजर को दरदरा रखें ताकि हलवे में अच्छा टेक्सचर आए।

स्टेप 3- अब एक भारी तले की कड़ाही में घी गरम करें और मैश की हुई गाजर डालें। मध्यम आंच पर गाजरों को भूनें, जब तक घी अलग न दिखने लगे और गाजर से हल्की महक आने लगे।

स्टेप 4- ऊपर से दूध डालकर धीमी आंच पर पकाएं। बीच-बीच में चलाते रहें। लगभग आधे घंटे दूध को पूरी तरह से गाढ़ा होने तक पकने दें।

स्टेप 5- अब चीनी डालें और इसे अच्छी तरह से मिक्स करें। चीनी डालने के बाद हलवा थोड़ा पतला होगा, लेकिन धीमी आंच पर पकाएं।

आज भी लड़कियों का दिल जीतने में उतने ही असरदार हैं बीते बरसों के कामयाब डेटिंग टिप्स

डेटिंग टिप्स समझते हैं तो फिर आप अपनी क्रश को दिल की बात क्यों नहीं कह देते। अपना दिल देने से पहले इतनी शर्माहट और घबराहट क्यों हो रही है? कहीं नए डेटिंग आइडिया या टिप्स के चक्कर में आप भी एक-एक दिन यूं ही न काट दें। अब नए-पुराने का चक्कर छोड़िए और असरदार डेटिंग टिप्स को अपनाकर देखिए।

लड़की को स्पेशल फील कराना क्यों जरूरी?

कई लड़कों को लगता है कि सिर्फ 'मैं तुमसे बहुत बहुत प्यार करता हूं', 'मैं तुम्हारे लिए कुछ भी कर सकता हूं...' कह देने से लड़की अपना मासूम दिल दे बैठेगी। मगर ऐसा नहीं होता है। क्योंकि प्यार एक खास अनुभव होता है, जो किसी खास के लिए ही होता है। इसलिए अपनी क्रश को स्पेशल फील कराना जरूरी है। इसके लिए गिफ्ट नहीं बस कुछ अल्फाज और अदकारी चाहिए।

प्यार से देखें, घूरें नहीं

नब्बे के दशक की फिल्मों में विलेन और हीरो दोनों ही

हीरोइन पर फिदा होते थे लेकिन खलनायक के देखने का अंदाज ही एक्ट्रेस को पसंद नहीं आता है। जबकि एक्टर सिर्फ नजर से ही दिल चुरा लेते थे। इसलिए आप भी अपनी क्रश को घूरने, ताड़ने की बजाय उसको प्यार भरी निगाह से देखें।

वाट्सएप्प नहीं, खत पर लिखें दिल की बात

ऑनलाइन डेटिंग के दौर में एक साथ कई लोगों के मैसेज आते हैं। ऐसे में मिजाज खराब भी होता है। इसलिए आपको लीक से हटकर कुछ अलग करना होगा। ऐसे में ग्रीटिंग कार्ड या कोरे कागज पर कुछ प्यार भरी बातों को लिखकर भेजें। यकीनन इस वक्त में वह उस लड़की को पसंद आ सकता है। हां, वह आपका खत एकांत में पढ़ेगी, इसलिए मुमकिन है असर भी होगा। जबकि मैसेज वह किसी भी वक्त हजारों मैसेज के भीड़ में पढ़कर शायद स्पेशल महसूस न कर सके।

रायपुर बाजार
Contact For Advertisement
79871 19756
90981 38778

ALERT SGS PVT. LTD.
अब आपकी सुरक्षा, सही हाथों में होगी
PROVIDER SECURITY SERVICE (Pan India)
Register Now : Web : www.alertsgs.com
Gmail : alertsgsprivatelimited@gmail.com
7746000016,7747000019

मैट्रेस (गद्दा) 30% से 50% लेस | पुराना गद्दा लाये, नया ले जाये
चादरे 9x9 400 से 1000 तक | कम्बल रजाई कम्फर्ट दोहड़ | सोफा कमबेड प्रोटेक्टर | सोफा कव्हर रुई गद्दा | टावेल तकिया | रजाई-गद्दा कव्हर
संजय रुई भंडार
निरंकारी फर्नीचर के पीछे, कांच घर गोडाउन के पास, पंडरी रायपुर
9827976266, 7987918262

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

जेंडाया - टॉम हॉलैंड की सगाई की चर्चा, 1.71 करोड़ की डायमंड रिंग पहने दिखीं एक्ट्रेस

ड्यून अभिनेत्री जेंडाया ने हाल ही में गोल्डन ग्लोब अवाड्र्स के 82वें संस्करण में सगाई की अफवाहों को हवा दी, जब वह अपने बाएं हाथ में हीरे की चमचमाती अंगूठी पहने रेड कार्पेट पर दिखाई दीं। इस दौरान जेंडाया के शानदार लुक के साथ उनकी अंगूठी पर सभी की निगाहें थम गईं। इस दौरान जेंडाया ने चोकर नेकलेस और हाई-एंड बुलगारी ज्वेलरी के साथ अपना शानदार लुक पूरा किया। यह एक प्लैटिनम हाई ज्वेलरी नेकलेस के अलावा 48 कैरेट से अधिक हीरे की अंगूठी के साथ एक मैचिंग रिंग और डायमंड स्टड इयररिंग शामिल थे। लेकिन सभी की निगाहें जेंडाया की इंगेजमेंट रिंग पर ठहर गई क्योंकि उन्होंने उसमें हीरे की चमचमाती उंगूठी पहनी हुई थी।

जेंडाया की अंगूठी को देखकर प्रशंसक लगातार सोशल मीडिया पर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'क्या यह सगाई की अंगूठी है', एक यूजर ने लिखा, 'अंगूठी' जबकि एक और यूजर ने लिखा, ₹क्या वाकई में जेंडाया ने सगाई कर ली है' एक और यूजर ने लिखा, ₹उसने अभी-अभी अपनी सगाई की घोषणा की है।₹ कथित तौर पर इस अंगूठी की कीमत लगभग 200K डॉलर यानी 1 करोड़ 71 लाख रुपये होगी। काम की बात करें तो टॉम अपने कई आगामी प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं, वहीं जेंडाया फिल्म सेटों के बीच अपना समय बिताने में व्यस्त हैं। इन दिनों जेंडाया, क्रिस्टोफर नोलन की अगली फिल्म और रॉबर्ट पैटिंसन के साथ 'द ड्रामा' की शूटिंग कर रही हैं।

टॉलीवुड

जयम रवि के साथ नजर आएंगे शिव कार्तिकेयन, ऐसा होगा किरदार

शिवकार्तिकेयन ने 'अमरन' के बॉक्स ऑफिस पर कमाल करने के बाद जयम रवि के साथ उनकी फिल्म में हाथ मिलाया है। वह निर्देशक सुधा कोंगारा के साथ एसके 25 में नजर आने वाले हैं।हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से शिवकार्तिकेयन ने एसके 25 को लेकर बात की है। उन्होंने कहा, यह फिल्म बड़े पैमाने पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रोमो पहले ही शूट हो चुका है। हमने इस फिल्म की शुरुआत कर दी है और प्रोमो शूट दो दिन पहले ही हुआ है। यह फिल्म एक बड़े पैमाने पर बनने वाली पीरियड ड्रामा है। यह और भी बड़े पैमाने पर बनने वाली है।

बातचीत में उन्होंने जयम रवि को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि वे अपने सीनियर जयम रवि के साथ काम करने जा रहे हैं। मुझे उन्हें खलनायक नहीं कहना चाहिए, लेकिन वे खलनायक का किरदार निभा रहे हैं। और जब उन्होंने इसके लिए हां कहा तो मैं बहुत खुश हुआ। यह एक बहुत ही मजबूत किरदार है।

निर्देशक सुधा कोंगरा 'सोरारई पोटरु' फिल्म के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपनी पहचान बना चुकी हैं। वहीं, शिवकार्तिकेयन की हालिया रिलीज फिल्म 'अमरन' को दर्शकों ने काफी प्यार दिया है और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा भी पार कर लिया है। आगामी फिल्म 'एसके 25' को लेकर फैंस को काफी उम्मीदें हैं। इस फिल्म में अथर्व भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। जयम रवि हाल ही में अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहे। उन्होंने बीते साल 2024 में अपनी पत्नी आरती से तलाक की घोषणा की थी।

भोजपुरी

पवन के नए गाने ने बनाया रिकॉर्ड 24 घंटे में बंपर 53 लाख व्यूज

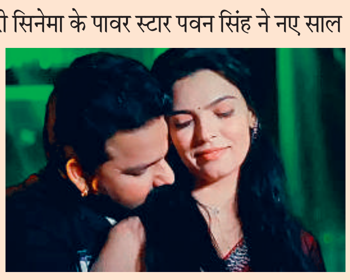

भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह ने नए साल 2025 की धमाकेदार शुरुआत की है। 5 जनवरी को जन्मदिन पर उन्होंने अपना नया गाना 'आरा के ओठलाली' रिलीज किया। दिलचस्प है कि फैंस ने इस गाने को बंपर प्यार दिया है। इस गाने के यूट्यूब पर भोजपुरी म्यूजिक का नया रिकॉर्ड बनाया है। 'आरा के ओठलाली' को 24 घंटे में 5.3 मलियिन यानी 53 लाख से अधकि बार देखा गया है। यह एक दिन में किसी भी नए भोजपुरी गाने को सबसे अधकि बार देखे और सुने जाने का रिकॉर्ड है। पवन सिंह के जन्मदिन के खास मौके पर यूपी की राजधानी लखनऊ में इस गाने को रिलीज किया गया। गाने की लॉन्चिंग में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह भी पवन सिंह के साथ मौजूद थे। यह गाना सुपरहिट साबित हुआ है और यूट्यूब के म्यूजिक कैटेगरी में नंबर-1 पर ट्रेंड हो रहा है। 'सारेगामा हम भोजपुरी' चैनल पर रिलीज हुए इस गाने को पवन सिंह और प्रसिद्ध गायिका कल्पना पटवारी ने अपनी आवाज दी है। गाने के बोल आशुतोष तिवारी ने लिखे हैं, जबकि इसका म्यूजिक प्रियांशु सिंह और रजत नागपाल ने कंपोज किया है।

'आरा के ओठलाली' का म्यूजिक वीडियो भी फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। इसमें पवन सिंह के साथ नई एक्ट्रेस सोनम मलिक नजर आ रही हैं। सोनम का यह भोजपुरी डेब्यू है और पवन सिंह के साथ उनकी केमिस्ट्री को खूब पसंद किया जा रहा है।

मिलान का जादू

लाइफ स्टाइल

मिलान में हुए फैशन शो में डिजाइनर मैथ्यू ब्लेज़ी ने शानदार कलेक्शन पेश किए। जो प्रयोग और अनंत संभावनाओं पर आधारित था। डिजाइनर मैथ्यू ने इसके साथ ही यहां अपने कुछ सबसे सनसनीखेज कलेक्शन का भी प्रदर्शन किया। सबसे ज्यादा इंस्टाग्राम फॉलोअर्स वाली काइली जेनर ने भी इवेंट में इनमें से एक परिधान पहना था। शो के समापन पर रॉबर्ट वुन की गॉथिक हाउते कॉउचर की शुरुआत ने समां बांध दिया।

घर में रखी इन चीज़ों से मिनटों में साफ करें पैरों का कालापन, जानिए तरीका

पैरों के कालेपन का असर हमारी पर्सनेलिटी पर पड़ता है इसलिए इसे रिमूव करना जरूरी है। अक्सर बदलते मौसम और तेज धूप की वजह से पैरों में टैनिंग होने लगती है, जिसकी वजह से पैर अजीब से नजर आते हैं। इन्हें दूर करने के लिए जरूरी है कि आप सही तरीके से इनका ख्याल रखें। ऐसा इसलिए क्योंकि तभी आप कालेपन को दूर कर पाएंगी और पैरों की रंगत बरकरार रख पाएगी। इसके लिए आपको एक्सपर्ट के बताए गए तरीके को जरूर ट्राई करना चाहिए। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में चीनी लें। अब इसमें कॉफी मिक्स करें। इसके बाद इसमें इनो डालें। नीबूं के रस को एड करें और इस मिश्रण को अच्छे से मिक्स करें। अब इसे पैरों पर अप्लाई करें। फिर हल्के हाथों से रब करें। इससे आपको 15-20 मिनट (मेकअप टिप्स) तक करते रहना है। इसके बाद थोड़ी देर इसे पैरों में लगा रहने दें। फिर पानी से पैरों को साफ कर लें। इस तरीके से आपके पैर साफ नजर आने लगेंगे। आप इस तरीके के हफ्ते में 1 बार जरूर ट्राई कर सकती हैं। कॉफी के इस्तेमाल से आपके पैरों की डेड स्किन साफ हो जाएगी। जिससे उनका (जंवा दिखने के लिए ब्यूटी टिप्स) रंग साफ नजर आएगा। नींबू भी टैनिंग को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

अब नहीं गिरेगा सिर से पल्लू जब आप ट्राई करेंगी ऐसे हैक्स

अगर आपके घर में भी बड़ों से पल्ला किया जाता है तो ये हैक्स आपको ट्राई करना चाहिए। आज भी कई घर ऐसे हें जहां पर बहुएं अपने बड़ों से पल्ला करती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ये पहले से चली आ रही प्रथा जो है। इसे करना जरूरी होता है लेकिन कई बार साड़ी के फेब्रिक ऐसे आते हैं जिसमें सिर पर पल्लू टिकाना थोड़ा सा मुश्किल हो जाता है। ऐसे में जरूरी है कि आप सही टिप्स को फॉलो करें। इससे आपका सिर पर पल्लू आसानी से टिक जाएगा साथ ही आपको बार-बार की के समय परेशान होने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

पल्लू को टिकाने का तरीका

इसके लिए सबसे पहले आपको लंबा पल्ला प्लीट करके लेना है। फिर इसे सिर पर लगाना है। लेकिन इसके लिए आपको आगे की तरफ थोड़ा सा लंबा पल्ला लेना है। इसके बाद इसे फोल्ड करना है और टिकटॉक पिन से सेट करना है। अब उसी पल्ली को पीछे करना है लेकिन फोल्ड करके। इस तरीके से आपका पल्लू आसानी से आपके सिर पर टिक जाएगा। साथ ही आप इसके बाद किसी भी तरह की साड़ी आसानी से पहन पाएगी।

पल्लू को पिन से करें सेट

अगर आपका पल्लू ज्यादा गिरता है तो इसे आप अपने बन के ऊपर पिन (वर्किंग वूमन के लिए हैक्स) की मदद से सेट कर सकते हैं। इसके लिए आपको सबसे पहले पल्लू को जुड़े पर रखना है फिर बॉबी पिन की मदद से सेट करना है। फिर आप चाहे तो इसे सिक्योर करने के लिए और बॉबी पिन लगाएं। इस तरीके से आपका पल्ला सिर पर सेट हो जाएगा और वो गिरेगा भी नहीं।

डेनिम में दिखना है स्टाइलिश तो फॉलों करें कुछ खास टिप्स

बदलते फैशन ट्रेंड को देखते हुए हम अक्सर अपने वॉर्डरोब को अपडेट करते हैं ताकि स्टाइलिश लग सके। लेकिन स्टाइलिश लगना इतना भी आसान नहीं होता है। इसके लिए जरूरी है कि आप सही टिप्स का ध्यान रखें ताकि आप जब भी कुछ वियर करें तो वो पहनने के बाद आपके ऊपर अच्छा लगे। डेनिम जैकेट को भी अलग-अलग तरीके से वियर कर सकती हैं और खूबसूरत दिख सकती हैं।

साड़ी के साथ स्टाइल करें डेनिम जैकेट

फैशन

साड़ी के साथ जरूरी नहीं की आप लॉन्ग कोट या फिर कार्डिगन को वियर करें आप इसके साथ डेनिम जैकेट को भी स्टाइल कर सकती हैं। ये स्टाइलिश लगती हैं साथ ही इन्हें पहनने के बाद ठंड भी कम लगती है। बस आपको अपनी पसंद के हिसाब से डेनिम जैकेट खरीदनी है और उसे वियर करना है। आप चाहे तो चुन्नी की तरीके से पल्ले को स्टाइल करके इसे वियर कर सकती हैं वरना पीछे पल्ले के साथ भी इसे स्टाइल कर सकती हैं।

ड्रेस के साथ स्टाइल करें डेनिम जैकेट

अगर आप किसी पार्टी या फिर कहीं जानें के लिए ड्रेस पहन रहीं हैं और ऊपर कुछ वियर करना चाहती हैं तो डेनिम जैकेट (स्टाइलिंग टिप्स) को स्टाइल कर सकती हैं। स्टाइलिश लुक के लिए भी इसे वियर किया जा सकता है। इसके लिए आप डबल शेड वाली डेनिम जैकेट या फिर पैच वर्क वाली जैकेट ले सकती हैं इससे लुक और भी ज्यादा स्टाइलिश लगता है। मार्केट में आपको ये 250 से 500 रुपये में मिल जाएगी।

जंपसूट के साथ स्टाइल करें जैकेट

आजकल अलग-अलग डिजाइन के जंपसूट आपको मिल जाते हैं जिन्हें आप किसी भी पार्टी या फिर डेली वियर में स्टाइल कर (फैशन हैक्स) सकती हैं। ऐसे में आप चाहे तो इसके ऊपर भी डेनिम जैकेट को स्टाइल कर सकती हैं। लेकिन इसके लिए लॉन्ग जैकेट न खरीदें बल्कि आप शॉर्ट जैकेट खरीदकर इसे वियर करें इससे आप और ज्यादा सुंदर लगेंगी। मार्केट में आपको य 200 से 500 रुपये में मिल जाएगी।

हॉट ऑयल ट्रीटमेंट और डीप कंडीशनिंग में होता है फर्क, जानिए इस्तेमाल से पहले

मुलायम और चमकदार बाल पाने की इच्छा तो हम सभी की होती है, लेकिन इसके लिए अतिरिक्त केयर की जरूरत होती है। अमूमन हम सभी खूबसूरत पाने के लिए कई तरह के हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, जबकि वास्तव में आपको हेयर ट्रीटमेंट पर ध्यान देने की जरूरत होती है। जब हेयर ट्रीटमेंट की बात होती है तो हॉट ऑयल ट्रीटमेंट और डीप कंडीशनिंग काफी पॉपुलर है।

ये दोनों ही ट्रीटमेंट बालों को नरिश्ड करते हैं और उन्हें गहराई से पोषण देते हैं। जिससे बाल अधिक स्मूथ व सिल्की नजर आते हैं। अमूमन हम उन दोनों को एक ही समझते हैं, लेकिन वास्तव में वे दोनों अलग होते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आरवीएमयूए एकेडमी की फाउंडर, सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट और स्किन केयर एक्सपर्ट रिया वशिष्ट आपको हॉट ऑयल ट्रीटमेंट और डीप कंडीशनिंग के बीच का अंतर बता रही हैं-

हॉट ऑयल ट्रीटमेंट क्या है?

हॉट ऑयल ट्रीटमेंट आपके बालों को एक नरिशमेंट देता है और रूखेपन को कम करता है। जिसके कारण बालों के टूटने व स्पिल्ट एंड्स की समस्या को काफी हद तक मैनेज किया जा सकता है। इतना ही नहीं, हॉट ऑयल ट्रीटमेंट के कारण आपके बाल अधिक मजबूत बनते हैं। जब गर्म तेल से सिर की मसाज की जाती है तो इससे स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन भी इंप्रूव होता है।

कार्नर न्यूज

आज के दौर में ग्रूम्ड लुक के लिए हर कदम उठाना जानते हैं मेंस

चाहिए 'ग्रूम्ड मेन' का टाइटल तो बदलिए लाइफस्टाइल अपने हेयर स्टाइल से ड्रेस तक पर दीजिए खास ध्यान

'ग्रूम्ड मेन' कौन नहीं कहलाना चाहेगा? आप भी ऐसा चाहते ही होंगे। पर इसके लिए आपने किया क्या है? अच्छे से तैयार हो जाते हैं? बस...अगर हां तो कुछ बातें ऐसी हैं जिनके बिना आप 'ग्रूम्ड मेन' वाले रास्ते पर बिल्कुल नहीं चल रहे हैं। ज्यादातर पुरुष जब समय मिलता है या फिर जब बालों से दिक्कत होने लगे तब ही बाल कटाने जाते हैं। लेकिन बालों के बढ़ते ही फिर वही रूटीन कि 'ज्यादा बढ़ेंगे तब कटा लेंगे।'ये आदत गलत है। हर पुरुष के ग्रूम्ड लुक के लिए सही समय पर हेयर कट जरूरी है। और ये नियम फिक्स होना चाहिए। आपको फिक्स अपॉइंटमेंट पर हर कुछ दिन में हेयर कट करा ही लेना चाहिए।

आपकी वाली खुशबू

आप पूरी तरह से तैयार हैं और आपसे एक खास तरह की खुशबू भी आ रही है तो आप ग्रूम्ड मेन वाले खांचे में आसानी से फिट बैठ पाएंगे। इसके लिए आपको अपनी एक खास खुशबू चुननी होगी। आप एक या दो क्लासिक खुशबू चुन सकते हैं। आमतौर पर वुडी, स्पाइसी और हर्बी ब्लेंड जाड़े में अच्छे से काम करता है।

दांतों का रखिए ध्यान

जैसे आपकी आंखें, आपके दिल का हाल कह देती हैं, ठीक वैसे ही आपके दांत भी आपके कैरेक्टर को बयां कर देते हैं। अपनी ग्रूमिंग करने हुए दांत की सफाई में आप कितना समय देते हैं?

ज्यादातर लोग कहेंगे कि रूटीन वाली सफाई करते ही हैं। लेकिन दांत अच्छे से साफ करने के लिए आपको इनका ज्यादा ध्यान रखना होगा। रिसर्च कहती हैं इलेक्ट्रिक ब्रश 11 प्रतिशत ज्यादा सफाई करते हैं। आप इनका इस्तेमाल करें और माउथ वॉश भी जरूर करें।

स्क्रब भी करें इस्तेमाल

स्क्रब एक ऐसा प्रोडक्ट है जो अभी भी ज्यादातर लोगों की ग्रूमिंग में शामिल नहीं हुआ है। जबकि स्क्रब का नियम से इस्तेमाल स्किन को हमेशा जवां रखता है।

स्क्रब वो लें जिसमें नेचुरल इंग्रिडिएंट्स हों जैसे ओट्स, एप्रिकॉट। इसको इस्तेमाल करने से स्किन की गंदगी निकल जाती है और ये फ्रेश एकदम हो जाती है।

डार्क सर्कल का करें उपाय

अगर समय की आपाधापी और नींद की कमी से आपकी आंखों के आसपास डार्क सर्कल हो गए हैं तो इनका इलाज भी आपको कर लेना चाहिए।